दैनिक पंचांग
सूर्योदयः 05:27 ए एम
सूर्यास्तः 07:09 पी एम
तिथिः चतुर्थी - 12:57 ए एम, मई 24 तक
नक्षत्रः आर्द्रा - 12:39 पी एम तक
योगः शूल - 04:47 पी एम तक
करणः वणिज - 12:04 पी एम तक
द्वितीय करणः विष्टि - 12:57 ए एम, मई 24 तक
पक्षः शुक्ल पक्ष
वारः शुक्रवार

Digital Edition

हिन्दी दैनिक

झारखण्ड देखो

खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

www.jharkhanddekho.com • वर्ष 03 • अंक 227 • पृष्ठ 8 • दुमका, शुक्रवार 18 अगस्त 2023 • मूल्य 2 रुपये Email - Jharkhanddekho@gmail.com | epaper - Jharkhanddekho.com

हिमाचल में बारिश से 10,000 करोड़ की तबाही, राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग

शिमला/एजेंसी।

हिमाचल प्रदेश 50 साल की सबसे भयावह प्राकृतिक आपदा से जूझ रहा है। सामाजिक संगठनों और पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने 2005 के आपदा प्रबंधन अधिनियम के प्रावधानों के तहत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से स्थिति को राष्ट्रीय आपदा या दुर्लभ गंभीरता की आपदा घोषित करने पर विचार करने का आग्रह किया है। प्रधानमंत्री को भेजे एक लंबे पत्र में उन्होंने कहा कि राज्य इस समय अभूतपूर्व आपदा से जूझ रहा है।

पिछले एक महीने से आधी से ज्यादा आबादी भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण लगातार जिंदगी दांव पर लगाकर जी रही है।

उन्होंने कहा कि ब्यास घाटी में आई बाढ़ इस बड़े पैमाने की आपदा का शुरुआती बिंदु थी जो अब राज्य के कई जिलों में फैल रही है।

हजारों इमारतें आंशिक रूप से या पूरी तरह से नष्ट हो गई हैं। सैकड़ों लोगों की जान चली गई है, और हजारों परिवारों को अपना घर छोड×कर अस्थायी आश्रयों या रिश्तेदारों के यहां शरण लेने के लिए मजबूर होना पड़ा है।

स्थिति गंभीर है। लगभग दो हजार सड×कें गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गई हैं, और सरकारी और निजी संपत्ति दोनों को महत्वपूर्ण नुकसान हुआ है। उनका कहना है कि प्रारंभिक अनुमान से पता चलता है कि राज्य को 10,000 करोड़ रुपये से अधिक का भारी नुकसान हो रहा है, जो अभूतपूर्व है। पत्र में कहा गया है कि दुर्लभ गंभीरता की इस आपदा के सामने केंद्र सरकार के आवश्यक समर्थन के बिना हिमाचल प्रदेश स्थिति से निपटने के लिए संघर्ष कर रहा है, जिससे तत्काल सहायता में देरी हो सकती है और बड़े पैमाने पर परिवारों के दीर्घकालिक पुनर्वास में अनुचितता हो सकती है। इस परिदृश्य में राज्य आपदा राहत कोष राज्य के लोगों को त्वरित राहत और पुनर्वास प्रदान करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा।"

हस्ताक्षरकर्ताओं में पूर्व नौकरशाह और किन्नौर में हिमलोक जागृति मंच के आर.एस. नेगी; हिमालय बचाओ समिति कैमला, चम्बा के कुलभूषण उपमन्यु; हिमालय नीति अभियान के गुमान सिंह; सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश दीपक गुप्ता; और पूर्व सांसद विप्लव ठाकुर शामिल हैं।राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार, 24 जून को दक्षिण-पश्चिम मानसून की शुरुआत से लेकर बुधवार तक राज्य को 7,482 करोड़ रुपये का नुकसान हो चुका है।

राज्य में भूस्खलन की 113 और बाढ़ की 58 घटनाओं में कुल 327 लोगों की जान जा चुकी है। इसके अलावा प्राकृतिक आपदा संबंधी घटनाओं में 38 लोग लापता हैं।

कुछ व्यक्तियों सहित 89 संगठनों द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया है कि केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले साल बाढ़, भूस्खलन और बादल फटने की आपदा से प्रभावित विभिन्न राज्यों को जिस प्रकार बेहद कम सहायता राशि जारी की थी। हिमाचल प्रदेश में इस साल आपदाओं की तीव्रता और परिमाण राज्य सरकार की क्षमता से कहीं अधिक है।

राज्य आपदा राहत कोष स्तर पर मौजूदा स्थिति में राहत और पुनर्वास के लिए धनराशि कुल नुकसान का लगभग पांच प्रतिशत है।

भारी बारिश और लैंडस्लाइड के चलते 70 से अधिक लोगों की मौत

नई दिल्ली/एजेंसी। हिमाचल और उत्तराखंड में प्रकृति का कोहराम लगातार जारी है. पिछले 5 दिनों से भारी बारिश ने ना सिर्फ आम जनजीवन को अस्त व्यस्त कर दिया बल्कि लैंडस्लाइड का सिलसिला भी लगातार जारी है. ऐसे में प्रदेश में अभी तक कुल 70 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है. जिसके चलते सरकार ने आज भी स्कूल कॉलेज बंद करने का फैसला किया है.

लैंडस्लाइड के कारण कई घर जमींदोज हो गये है. एक के बाद एक इमारतों के गिरना से सड़क मार्ग अवरुद्ध हो गये है. ऐसे में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और पुलिस की सहायता से बचाव कार्य चलाया जा रहा है. हिमाचल में कांगड़ा स्थिति अधिका जटिल होने के चलते हेलिकॉप्टर से लोगों का रेस्क्यू लगातार जारी है.

आपदा के कारण अभी तक पिछले चार दिनों में कुल 70 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है. हालांकि अभी इसके आधिकारिक आंकड़ें सरकार की तरफ से जारी नहीं किये गये है. वहीं कुदरती कहर के चलते राज्य सरकार को 10 करोड़ रुपये के नुकसान होने की आशंका जतायी जा रही है.

मौसम विभाग के मुताबिक हिमाचल में अगले 2 दिनों तक और उत्तराखंड में अगले 5 दिनों तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है. 18 अगस्त से अगले तीन दिनों तक यलो अलर्ट जारी किया गया है. इसमें मंडी, शिमला, कांगड़ा, सोलन, सिरमौर, कुल्लू, चंबा, ऊना, बिलासपुर व हमीरपुर जिलों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है. ऐसे में सरकार की ओर से एतिहात की तौर पर नदी नालों से दूर रहने को कहा गया है. साथ ही काम होने पर बाहर निकलने की अपील भी की गयी है.

संक्षिप्त समाचार

कर्नाटक में 48 स्थानों पर लोकायुक्त की छापेमारी

बेंगलुरु/एजेंसी। कर्नाटक लोकायुक्त ने गुरुवार को सरकारी अधिकारियों के आवासों और कार्यालयों को निशाना बनाते हुए राज्य भर में 48 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। बेंगलुरु, बीदर, कोडागु, चित्रदुर्ग, दावणगेरे और अन्य स्थानों पर सुबह से ही छापेमारी चल रही है। लोकायुक्त के सूत्रों ने बताया कि छापेमारी में 200 से ज्यादा अधिकारी शामिल हैं। राज्य की राजधानी बेंगलुरु में लोकायुक्त अधिकारियों के खिलाफ दर्ज चार एफआईआर के सिलसिले में 10 स्थानों पर छापेमारी की जा रही है।

अधिकारी मदिकेरी शहर में कोडागु के अतिरिक्त एसपी नंजुंडे गौड़ा के आवास पर छापेमारी कर रहे हैं। पेरियापटना शहर के पास मकनहल्ली गांव में उनके ससुर के आवास और मैसूर शहर में उनके रिश्तेदारों के घरों पर भी छापे मारे गए। सूत्रों ने बताया कि लोकायुक्त अधिकारियों ने मदिकेरी स्थित उनके आवास पर नकदी और दस्तावेज जब्त किए हैं। लोकायुक्त एसपी सुरेश बाबू के नेतृत्व वाली टीम ने सुबह 4 बजे छापेमारी शुरू की। बेलगावी सिटी कॉर्पोरेशन के सहायक आयुक्त संतोष अनिशेट्टार के आवास पर भी छापेमारी की गई।

बिजनेस

बीएसई सेंसेक्स
65,953.48+232.23 (0.35%)

निफ्टी
19,597.30+80.30 (0.41%)

आयुष्मान योजना के लाभार्थियों को इलाज के लिए करना पड़ा भुगतानः सीएजी

नई दिल्ली/एजेंसी।

भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) ने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) पर अपनी ऑडिट रिपोर्ट में खुलासा किया कि योजना की मंशा के बावजूद लाभार्थियों को इलाज के लिए पैसे का भुगतान करना पड़ा। गौरतलब है कि एबी-पीएमजेएवाई के तहत लाभार्थियों को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर प्रदान किया जाता है। यह लाभार्थियों को सेवाओं के लिए कैशलेस और पेपरलेस सुविधा प्रदान करता है। एबी-पीएमजेएवाई पर हाल ही में संसद में पेश सीएजी की ऑडिट रिपोर्ट ने कहा, एसएचए (राज्य स्वास्थ्य एजेंसी) और निजी ईएचसीपीएस (पैनलबद्ध स्वास्थ्य देखभाल प्रदाता) द्वारा हस्ताक्षरित समझौते में कहा गया है कि पीएमजेएवाई लाभार्थियों को पूरी तरह से कैशलेस तरीके से सेवा प्रदान किया गया। अस्पताल में मरीज के प्रवेश के बाद, सभी नैदानिक परीक्षणों, दवाओं, प्रत्यारोपण आदि का खर्च अस्पताल द्वारा वहन किया जाना चाहिए, लेकिन लेखापरीक्षा में ऐसे उदाहरण सामने आया, जहां रोगियों को इलाज के लिए भुगतान करना पड़ा। हिमाचल प्रदेश में, पांच ईएचसीपी के 50 लाभार्थियों को अपने नैदानिक परीक्षणों का प्रबंधन अन्य अस्पताल/नैदानिक केंद्र से करना पड़ा और परीक्षणों की लागत लाभार्थियों द्वारा वहन की गई। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि जम्मू-कश्मीर में 10 सार्वजनिक ईएचसीपी पर, 459 मरीजों ने शुरुआत में अपनी जेब से 43.27 लाख रुपये का भुगतान किया, बाद में मरीजों को प्रतिपूर्ति की गई। 75 मरीजों को 6.70 लाख रुपये की प्रतिपूर्ति अभी बाकी है। सीएजी रिपोर्ट में कहा गया है, झारखंड में, बीमा कंपनी ने पाया कि लाइफ केयर हॉस्पिटल, गोड्डा के 36 मरीजों ने दवाओं, इंजेक्शन, रक्त आदि की खरीद के लिए भुगतान किया।

मणिपुर हिंसा की जांच के लिए सीबीआई की स्पेशल 53 टीम गठित

नई दिल्ली/एजेंसी। मणिपुर में जातीय हिंसा की जांच के लिए विभिन्न रैंक की 29 महिला अधिकारियों समेत 53 अधिकारियों की सूची जारी कर दी गई है। सीबीआई जांच के दायरे में आए शुरुआती मामलों के लिए दो महिला डीआईजी रैंक के अधिकारी समेत 29 महिला को शामिल किया गया है। राज्य में हिंसा और महिलाओं के साथ हुए अत्याचार को लेकर 65 हजार के अधिक एफआईआर दर्ज किया है। इनमें से 11 मामलों की जांच सीबीआई को सौंपा गया है। सभी अधिकारी संयुक्त निदेशक घनश्याम उपाध्याय को रिपोर्ट करेंगे, जो विभिन्न मामलों में जांच की निगरानी करेंगे। तीन मई को राज्य में पहली बार जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 160 से अधिक लोग मारे गए हैं, और कई सौ लोग घायल हुए हैं।

Dipendra Singh
9335448671
R.K. Choudhary
8384831556
RK marbles & tiles
मार्बल & ग्रेनाइट
राजस्थान वाले
रेलवे स्टेशन के सामने, रिंग रोड, दुमका (झारखंड)

श्रद्धालुओं की सेवा ही सही मायने में बाबा के प्रति सच्ची भक्ति है: उपायुक्त

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। राजकीय श्रावणी मेला के अवसर पर सावन के दूसरे चरण में बासुकीनाथ धाम आने वाले श्रद्धालुओं के सुगम जलार्पण हेतु प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारियों एवं पुलिस पुलिस पदाधिकारियों को संयुक्त ब्रीफिंग के माध्यम से उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे एवं पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार द्वारा उनके दायत्वों को सेवा भाव से निर्वहन करने हेतु कई आवशयक निर्देश दिया किया।

ब्रीफिंग में उपायुक्त ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि बाबा बासुकीनाथ ने मुझे श्रद्धालुओं की सेवा करने का मौका दिया है।जो भी यहाँ आ रहे हैं वे बाबा के स्वरूप ही हैं इसलिए श्रद्धालुओं को कठिनाई नहीं हो इसे सुनिश्चित करें। कहा कि जो भी समस्या आपको हो रही है मुझे अवगत कराएं उसे दूर किया जाएगा।श्रद्धालुओं की सेवा ही सही मायने में बाबा के प्रति सच्ची भक्ति है।बचे दिनों में और भी दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्त मेला क्षेत्र में किया जाएगा। उपायुक्त ने कहा कि श्रद्धालुओं को सभी जरूरी जानकारियों से अवगत कराएं।श्रद्धालुओं के साथ आपका व्यवहार बेहतर रहे ताकि श्रद्धालु बेहतर संदेश लेकर वापस जाएं। कहा कि साफ सफाई की और भी बेहतर व्यवस्था रहे।पूरे मेला क्षेत्र में व्यापक साफ सफाई रहे।सभी शौचालय साफ रहे।स्वच्छता का स्तर बचे दिनों में ऊंचा रहे।जो भी आवशयकता है मुझे अवगत कराएं,जिला प्रशासन आवशयक कार्रवाई करते हुए सभी सामग्री उपलब्ध कराएगी। उपायुक्त ने कहा कि ×फूड सेफ्टी ऑफिसर खाद्य सामग्री एवं पानी का सैम्पल मेला क्षेत्र से कलेक्ट करें ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ सामग्री मेला क्षेत्र में मिले। उपायुक्त ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में प्रतिनियुक्त पुलिस पदाधिकरी एवं दंडाधिकारी अपने ड्यूटी पॉइंट को खाली नहीं छोड़ें। रविवार,सोमवार,मंगलवार विशेष सभी प्रतिनियुक्ति अधिकारी विशेष ध्यान रखें। कहा कि बचे दिनों में टीम भावना से कार्य करें।सिर्फ तन से नहीं मन से भी अपने कर्तव्य पर उपस्थित रहें।कई असामाजिक तत्वों द्वारा अफवाह फैलाने का भी कार्य किया जाता है,जिससे विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न हो जाती है।ऐसे लोगों को चिन्हित करते हुए नियमानुसार कार्रवाई करें।सावन का दूसरा चरण प्रारंभ हुआ है।बचे दिनों में भी पूरी तत्परता से अपने कर्तव्य का निर्वहन करें।ड्यूटी के समय पूरी तत्परता से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें।मोबाइल का इस्तेमाल ड्यूटी के समय कम करें।पुलिस अधीक्षक ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में प्रतिनियुक्त स्थल को नहीं छोड़ें जब तक आपके स्थान पर दूसरा नहीं आ जाये।सभी पुलिस पदाधिकारी एवं दंडाधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें।कर्तव्य के दौरान मोबाइल का उपयोग नहीं करें।कहा कि पर्याप्त संख्या में पुलिस बल प्रतिनियुक्त हैं।बचे दिनों में भी उत्साह के साथ कार्य करें।आने वाले श्रद्धालु एक बेहतर संदेश लेकर जाएं।आपका व्यवहार श्रद्धालुओं के साथ बेहतर रहे।ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर ढंग से सुनिश्चित करें।रोड में वाहन खड़ा पाया जाता है तो उक्त वाहन का फाइन करें।श्रद्धालुओं की तादाद को देखते हुए यह सुनिश्चित करेंगे कि एक स्थान पर भीड़ एकत्रित नहीं हो।भीड़ एकत्रित होने से विधि व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होती है तथा विपरीत स्थिति उत्पन्न होने की संभावना बन सकती है।नो एंट्री में वाहन खड़ा करने वालों से जुर्माना वसूला जाए।जहां पार्किंग की व्यवस्था है वहां ही वाहन खड़ा किया जाय।

मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला के अन्य वरीय पदाधिकारी एवं।पुलिस पदाधिकारी सहित बासुकीनाथ धाम में प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी उपस्थित थे।

आदिवासी छात्रों ने बस स्टैंड एवं थाना में किया हंगामा

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। आदिवासी संगठन के छात्रों ने गुरुवार को अटल बिहारी बाजपेयी बस पड़ाव के मुख्य गेट को जाम कर दिया। इस बीच छात्रों ने बस पड़ाव स्थित एक बस के टिकट काउंटर में भी जमकर तोड़फोड़ की। इसके बाद आक्रोशित छात्र थाना भी पहुंच गए और जम कर हंगमा किया। छात्रों का कहना था कि 15 अगस्त को ड्यूटी पर तैनात पुलिस पदाधिकारी ने अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाया है। इसे अविलंब थाना से हटाया जाय।जाम कर रहे छात्रों का कहना था कि पिछले 15 अगस्त को आनंद हांसदा अपने मित्र के सा थ बस पड़ाव खाने के सामान लेने आया था। इस बीच बस पड़ाव के मुख्य द्वार पर ओम ट्रिप्लस बस बीच रास्ते में ही खड़ी थी। जिसे हटाने का अनुरोध करने पर इन लोगों के साथ बुरी तरह से मारपीट किया गया। मामले को लेकर दो बार थाना पहुंचने पर भी पुलिस द्वारा मामले को गंभीरता से नहीं ली गई और न ही इस दिशा में कोई कार्रवाई ही की गई। जिससे आक्रोशित होकर आंदोलन करना पड़ रहा है। इस बीच मौके पर पहुंचे पुलिस ने आक्रोशित छात्रों को समझा बूझकर किसी तरह शांत किया। मौके पर मौजूद सीओ जामुन रविदास,एसडीपीओ नूर मुस्तफा अंसारी, नगर थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक थाना प्रभारी ने युवक से आवेदन लिया और कार्रवाई करने की भी आश्वासन दिया। जिसके बाद करीब 3 घंटे के बाद छात्र सड़क जाम हटाया। इस बीच आक्रोशित छात्रों ने प्रत्येक काउंटर में घूम-घूम कर बस कर्मियों को आगाह किया कि आगे से किसी भी प्रकार की अभद्र नहीं करें।

संक्षिप्त समाचार

कुलपति की अध्यक्षता में हुई बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ. विमल प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में बोर्ड ऑ×फ स्टडीज की एक महत्वपूर्ण बैठक प्रशासनिक भवन के कांफ्रेंस हॉल में आहूत की गयी. बैठक नई शिक्षा नीति के तहत यूजी चार वर्षीय प्रोग्राम का सिलेबस निर्माण कार्य का प्रगति रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए रखा गया था. मीटिंग में विश्वविद्यालय के सहायक डीएसडब्लू डॉ. पूनम हेम्ब्रम ने बताया की लगभग सभी विषयों के लिए प्रथम दो सेमेस्टर का सिलेबस विभिन्न स्नातकोत्तर विभाग के विभागाध्यक्षों के सहयोग से तैयार कर लिया गया है. एकेडमिक काउंसिल से सहमति मिलते ही विश्वविद्यालय के आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा एवं सभी महाविद्यालय को भी भेज दिया जाएगा. बैठक में यह भी निर्णय लिया गया की एनईपी के तहत निम्नांकित प्रथम बैंच के छात्र-छात्राओं के लिए भी एबीसी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य होगा. बैठक के अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डॉ विमल प्रसाद सिंह ने सभी स्नातकोत्तर विभाग के विभागाध्यक्षों को जल्दी से जल्दी पीएचडी कोर्सवर्क परीक्षा उतीर्ण कर चुके शोधार्थियों का डिपार्टमेंट रिसर्च काउंसिल का मीटिंग कराने का निर्देश दिए. बैठक में विश्वविद्यालय के डीएसडब्लू डॉ. संजय कुमार सिंह, डॉ. पूनम हेम्ब्रम, डॉ. रविन्द्र के एस चौधरी, डॉ. सुजीत सोरेन, डॉ. विनय कुमार सिन्हा, डॉ. एस एन अधिकारी, डॉ. टी. पी. सिंह, डॉ. निलेश कुमार,डॉ. निरंजन मंडल, डॉ. पी. पी. सिंह, डॉ. संजीव कुमार सिन्हा, डॉ. धनंजय मिश्रा, डॉ शम्स तबरेज खान,कुमारी नेहा,डॉ. इंदरजीत कुमार, अनिल कुमार, डॉ. सुशील टुडू, डॉ. स्नेहलता मुर्मू, डॉ. राजीव रंजन सिन्हा, डॉ. जयनेंद्र यादव, डॉ. एस एल बोंडीया, सूरज पाठक, मनोज, पंकज आदि उपस्थित थे.

डीवीसी कर्मचारी से साइबर अपराधियों ने एक लाख 13 हजार उड़ाए

निरसा। मैथन एरिया नंबर चार निवासी डीवीसी कर्मी जीतेंद्र कुमार सिंह से साइबर अपराधियों ने बुधवार को तीन अलग अलग किस्तों में एक लाख 13 हजार रुपये उड़ा लिया। एसबीआई क्रेडिट कार्ड का अधिकारी बताकर घटना को अंजाम दिया। भुक्तभोगी ने मैथन ओपी में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने कहा कि मेरे मोबाइल नंबर पर एक अनजान कॉल 9525678770 आया और अपने आप को उसने एसबीआई क्रेडिट कार्ड का अधिकारी का परिचय दिया। कहा कि आपके क्रेडिट कार्ड के वार्षिक शुल्क कटने वाले हैं। इस बीच उसने झांसा देकर कार्ड का पूरा डिटेल्स भी ले लिया। एनीडेस्क नामक एप को डाउनलोड करने के लिए कहा गया। एप डाउन लोड करते ही एसबीआई क्रेडिट कार्ड अकाउंट से तीन अलग अलग किस्तों में एक लाख 13 हजार रुपये शॉपिंग कर ली गई। इसके बाद कस्टमर केयर पर फोन करके कार्ड को लॉक करवाया। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

उपायुक्त ने किया वेयर हाउस का निरीक्षण

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। आगामी लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर ईवीएम का एफएलसी कार्य 14 से 24 अगस्त तक निर्धारित है। जिला में अवस्थित ईवीएम वेयर हाउस में ईसीआईएल हैदराबाद के अभियंता द्वारा एफएलसी कार्य किया जा रहा है। उक्त कार्य में जिला के ईवीएम एफएलसी टीम कार्य कर रही है एफएलसी कार्य की निगरानी एवं पर्यवेक्षक सीधे जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आंजनेयुलु दोड्डे द्वारा प्रतिदिन किया जा रहा है। इसी क्रम में उपायुक्त द्वारा वेयर हाउस का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में डोर फ्रेम मेटल डिटेक्टर एवं हैंडहेल्ड मेटल डिटेक्टर आवशयक सुरक्षा बल एफएलसी कार्य का वेबकास्टिंग एवं राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि के लिए प्रतिस्थापित मॉनिटरिंग सिस्टम का जायजा लिया गया। एफएलसी कार्य का सफल निष्पादन का निर्देश दिया गया। एफएलसी कार्य में किसी भी प्रकार की त्रुटी परिलक्षित ना हो इसका ध्यान रखने हेतु प्रतिनियुक्ति सभी पदाधिकारी एफएलसी सुपरवाइजर अशोक कुमार दास एवं एफएलसी इंचार्ज कुमार गौतम को विशेष दिशा निर्देश दिया गया। विदित हो कि दुमका जिला को भारत निर्वाचन आयोग के निदेशनुसार कुल 2109 बीयू 1403 कंट्रोल यूनिट एवं 1565 विविपेट प्राप्त हुआ है जिसका एफएलसी कार्य किया जा रहा है। उक्त संदर्भ में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त ऐफ्पैल सी ओब्सेर्वेर श्रीधर, स्टेट ईभीएम नोडल पदाधिकारी, तमिलनाडु द्वारा दुमका जिला के एफएलसी कार्य का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के उपरांत वे एफएलसी कार्य की पद्धति से संतुष्ट हुए। उनके द्वारा उपस्थित राजनीतिक दलों के सदस्य ईसीआईएल के इंजीनियर, कंप्यूटर ऑपरेटर, पदाधिकारी एवं कर्मियों से बातचीत किए और एफएलसी कार्य को सुचारू रूप से संपादन हेतु निर्देशित किया।

स्कमुस्टा ने लिखा राज्यपाल के प्रधान सचिव को पत्र

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। सिदो कान्हु मुर्मू विश्वविद्यालय सेवा शिक्षक संघ (स्कमुस्टा) के अध्यक्ष डा विवेका नंद सिंह एवं महासचिव डा कलानंद ठाकुर ने राज्यपाल के प्रधान सचिव, को एक पत्र लिखकर पिछले 5 माह से कुलपति/कार्यकारी कुलपति को राजभवन के निर्देशानुसार नीतिगत निर्णय लेने के पूर्व राजभवन से दिशानिर्देश प्राप्त करना आवशयक है। इस प्रक्रिया के कारण विश्वविद्यालय में आवशयक कार्यों के संपादन में तकनीकी कठिनाई आ रही है। इस कारण से 2010 परिनियम के अंतर्गत शिक्षकों के प्रोन्नति से संबंधित स्क्रीनिंग का कार्य नहीं हो पा रहा है। ज्ञातव्य हो कि इन शिक्षकों की प्रोन्नति 10 वर्ष पूर्व हो जाना था। दूसरा आवशयक कार्य जो नहीं हो पा रहा है वह कि झारखंड सरकार के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के दिनांक 24.05.2023 के आलोक में यू जी सी द्वारा संशोधित रेगुलेशन के संदर्भ में सभी विश्वविद्यालयों से समीक्षा करते हुए उचित प्रस्ताव 15 दिनों के अंदर निदेशक, उच्च शिक्षा, रांची द्वारा मांगा गया था लेकिन इस पत्र का जवाब अब तक विश्वविद्यालय द्वारा नहीं भेजा जा सका। तीसरा आवशयक कार्य जो राज्यपाल सचिवालय के दिनांक 22.06.2023 के पत्र के निर्देशानुसार महाविद्यालय में प्राचार्य/प्रभारी प्राचार्य/ विभागाध्यक्ष की नियुक्ति वरीयता के आधार पर करना है, जिसका अनुपालन विश्वविद्यालय द्वारा अब तक नहीं हो सका। चौथी समस्या यह है कि विश्वविद्यालय में सिंडिकेट की बैठक नहीं हो पा रही जिससे कि विश्वविद्यालय में वित्त एवं कई प्रशासनिक कार्यों के निष्पादन में तकनीकी कठिनाई आ रही है। अतः संघ ने महामहिम राज्यपाल सह कुलाधिपति का ध्यान इस पत्र के माध्यम से आकृष्ट कराया है कि यथाशीघ्र उपर्युक्त रुके हुए कार्यों के निष्पादन हेतु उचित कार्रवाई की जाए।

डीडीसी ने किया विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक की समीक्षा

दुमका/झारखंड देखो/प्रतिनिधि। उप विकास आयुक्त अभिजीत सिन्हा द्वारा केन्द्रीय विद्यालय, दुमका में संचालित शैक्षणिक कार्यों की समीक्षा की गई। सर्वप्रथम 19.07.2023 को सम्पन्न विद्यालय प्रबंधन समिति की बैठक में दिये गये निदेशों के अनुपालन की समीक्षा की गई। प्राचार्या, केन्द्रीय विद्यालय, दुमका द्वारा अवगत कराया गया कि उप विकास आयुक्त के निदेशानुसार Smart Class, Science Lab, Computer Lab अधिष्ठापन का कार्य प्रगति पर है। उप विकास आयुक्त द्वारा खेल-कूद से संबंधित उपकरण / सामग्री एवं Computer छुं अधिष्ठापन हेतु आवशयक उपस्कर GeM पोर्टल के माध्यम से क्रय करने का निदेश दिया गया। प्राचार्या, केन्द्रीय विद्यालय, दुमका द्वारा अवगत कराया गया कि बाल वाटिका में नामांकन हेतु पुनः से दिनांक 14.08.2023 से 25.08.2023 तक डा'ल्ली टङ्गी में आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। विशेष जानकारी हेतु dumka.kvs.ac.in अथवा हेल्पलाईन नम्बर 06434-291087 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

सांसद ने पाकुड़ सर्किट हाउस में आम जनों की समस्याओं को सुन किया निदान

पाकुड़/झारखंड देखो।

राजमहल लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय हसदा अपने पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत पाकुड़ सर्किट हाउस पहुंचे। सर्किट हाउस पहुँचकर कर सांसद विजय हांसदा एवं पार्टी के जिला अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि शचाम यादव ने संयुक्त रूप से आम नागरिकों तथा कार्यकर्ताओं की जन समस्याओं को सुना। बताते चले कि पाकुड़ जिले के सभी प्रखण्डों के दूर-दराज गाँव के सैकड़ों लोग अपनी अपनी छोटी- बड़ी समस्या लेकर सांसद विजय हांसदा के पास पहुँचे थे। ग्रामीणों ने बिजली, सड़क, पानी, रोजगार, राशन एवं पेंशन से संबंधित समस्या रखी। ग्रामीण क्षेत्र में इस भीषण गर्मी के मौसम में हो रही बिजली की समस्या को देखते हुए तुरंत ही बिजली विभाग के कार्यपालक अभियंता को सुधार करने का कड़ा निर्देश दिया। कई समस्याओं का समाधान सांसद श्री विजय हांसदा ने जिले के पदाधिकारियों को फोन कर तुरंत ही करवा दिया एवं लंबित समस्याओं के निदान हेतु सार्थक पहल करने की बात कही। मौके पर पार्टी के जिला सचिव सुलेमान बास्की, जिला उपाध्यक्ष हरिवंश चौबे, जिला संगठन सचिव महमूद आलम, जिला संगठन सचिव कुणाल अल्फ्रेड हेम्ब्रम, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष हबीबुर्रहमान, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष जोसेफिना हेम्ब्रम, सचिव सुशीला देवी, युवा मोर्चा जिला सचिव उमर फारूक, मजदूर मोर्चा जिलाध्यक्ष मनोज चौबे, केंद्रीय सदस्य मिथिलेश घोष, पाकुड़ प्रखंड अध्यक्ष मुसलोद्दीन शेख, सचिव राजेश सरकार, पाकुड़िया प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा, महेशपुर प्रखंड अध्यक्ष अनारूद्दीन मियां, अमड़ापाड़ा प्र-खंड उपाध्यक्ष कोर्नेलियुस हेम्ब्रम, सचिव जहीरुद्दीन मियां, महेशपुर प्रखंड उपाध्यक्ष सुशील जेम्स हेम्ब्रम, उपाध्यक्ष कलाम, नगर अध्यक्ष मुकेश सिंह, सचिव नूर आलम, जिला कार्यकारिणी सदस्य सामसुन मुर्मू, जिला कार्यकारिणी सदस्य अब्दुल उदूद, जिला सदस्य अजफारुल शेख, जिला सदस्य असीम अकरम, जिला सदस्य संजीत भगत, नगर उपाध्यक्ष आदित्य तिवारी, प्रकाश सिंह, अबूल कलाम, बेंजामिन मरांडी, बबलू मुर्मू, अनिता मुर्मू, राजू सिंह, अमीरूल इस्लाम, सत्तार शेख, आलमगीर आलम, फुरकान, मुबारक हुसैन, अब्दुल कादिर, मोसाराफ हुसैन,रोजबुल सेख ,कौसार सेख, अनिकुल सेख, कार्यकर्ता, बक्कार सेख, अब्दुल मालेक ,जियरूल सेख, चन्द्रन प्रामाणिक,असिकुल सेख सहित अन्य सैकड़ों कार्यकर्ता व समर्थक मौजूद थे।

जिले में स्वास्थ्य सुविधा जल्द और भी होगा मजबूत, डॉक्टरों की नियुक्ति के लिए प्रक्रिया हुई तेज

पाकुड़/झारखंड देखो।

- इच्छुक उम्मीदवारों का 26 अगस्त को किया जाएगा प्रमाण पत्रों का सत्यापन
- उपायुक्त ने कहा मेरा प्रयास चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में अधिक से अधिक सुधारात्मक कार्य करना

जिले में स्वास्थ्य सेवाएं जल्द ही और भी मजबूत होने वाली है। उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल के निर्देश पर जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं में विस्तार किया जा रहा है। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत विशेषज्ञ चिकित्सा अधिकारियों के पदों के लिए उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गए है। जिले में जल्द ही छह डॉक्टरों की नियुक्ति होने वाली है। जिसमें एक फिजिशियन, एम.डी., एक आर्थोपेडिक सर्जन, एक जनरल सर्जन, एक बाल रोग विशेषज्ञ, एक एनेस्थेटिस्ट (अंशकालिक), एक नेत्र सर्जन (अंशकालिक) शामिल है। उक्त पदों के लिए इच्छुक उम्मीदवारों के लिए 26.08.2023 को सुबह के 10 बजे से 11 बजे तक उपायुक्त कार्यालय के सम्मलेन कक्ष में प्रमाणपत्र सत्यापन समय व तिथि निर्धारित की गई है। अधिक जानकारी के लिए निर्धारित परफॉर्मा वेबसाइट-www.pakur.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। उपरोक्त रिक्ति के संबंध में कोई भी अन्य प्रश्न 8002466611 /9113713892 या ईमेल आईडीः cs.pakur@gmail.com पर किया जा सकता है। उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने कहा कि किसी भी परिस्थिति में स्वास्थ्य सुविधा प्रभावित होने नहीं दिया जाएगा। जिले के लोगों को जिले में ही और भी बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराया जाएगा। जिले में जल्द ही विशेषज्ञ डॉक्टरों की बहाली की जा रही है। ताकि जिले वासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा का लाभ मिले। कहा कि मेरा प्रयास है की चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में अधिक से अधिक सुधारात्मक कार्य किया जाए।

माँ मनसा का प्रथम पूजा को लेकर हटिया में जमकर हुई पाठा (बकरा) की खरीद बिक्री

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो। माँ मनसा पूजा शुक्रवार को होगी। इसको लेकर लोगो द्वारा जमकर तैयारी की जा रही है। वही सरकारी मवेशी हाट में गुरुवार को पाठा की बिक्री में काफी तेजी आई है। पूजा को लेकर धोवाडांगा, डांगापाड़ा, देवपुर सहित दर्जनों गाँवो में पूजा को लेकर प्रतिमा स्थापित की जाएगी। इसको लेकर अंतिम रूप से तैयारियां की जा रही है। वही लोग अपने अपने घरों में भी धूमधाम से पूजा अर्चना करते है।।उधर पूजा को लेकर मवेशी हाट हिरणपुर में हजारो की संख्या में पाठा को देखा गया। जिसे बिक्री के लिए व्यापारियों द्वारा लाया गया था। जिसमे काफी संख्या में ग्रामीण क्षेत्र के लोगो द्वारा बिक्री के लिए लाया गया था। पाठा की संख्या अत्यधिक रहने के कारण व्यापारियों को हटिया परिसर में जगह न मिलने से सड़क में खरीद बिक्री करना मजबूरी बन गया, जिसकारण वाहनों की आवागमन में भारी व्यवधान आया। सड़क के सभी जगहों में पाठा बिक्री होते रहा। जहाँ ऊंचे दामो पर लोगो को खरीदारी करते देखा गया। हाट में पाठा की बिक्री वर्षो उपरांत काफी संख्या में हुई है।बताते चले कि प्रखंड में मां मनसा पूजा प्रत्येक घरों में बड़े ही श्रद्धा भक्ति व आस्था के साथ वर्षो से लोग मनाते आ रहे है। वही पूजा के अवसर में अधिकांश परिवारों में पाठा बाली की परंपरा है। जो मंदिरों के प्रांगण में पूजा के बाद पाठा बलि करते है। जिसमे पारम्परिक रूप से ढाक ढोल के साथ पूजा को मनाते है।

पारंपरिक विधि विधान से संपन्न हुई मां मनसा पूजा

- आग पर चलकर भक्तों ने दिखाई श्रद्धा भक्ति

पाकुड़/झारखंड देखो। नागों की देवी और भगवान शिव की मानस पुत्री देवी मनसा की पूजा बुधवार को पाकुड़ नगर के बागतीपाड़ा स्थित मनसा मंदिर में बड़ा पुजारी रामू राय एवं छोटा पुजारी रतन राय के द्वारा पारंपरिक विधि विधान तथा मंत्रोच्चारण के साथ से करवाया गया।सर्वप्रथम सात दिवसीय मनसा गान प्रारंभ से बागतीपाड़ा में सर्प की देवी मां मनसा पूजा आरंभ हो जाती है।जहां मां मनसा देवी के गुणगान पर आधारित भजन कीर्तन किया गया। पाकुड़ नगर के बागतीपाड़ा में वर्षों-वर्ष से मां मनसा की पूजा अर्चना की जाती रही है,पूर्व से एक ही स्थान पर पूजा होती रही है,जो अति प्राचीन है।माता मंदिर और पूजा के संस्थापक प्रेमचंद साहा ने बताया कि विगत सौ से अधिक वर्षों से बागतीपाड़ा में मां मनसा की पूजा अर्चना विधि विधान से किया जाता है।जहां पाकुड़ जिला सहित पश्चिम बंगाल बिहार से श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने आते हैं,मान्यता है कि सच्चे मन से मां को याद करने से श्रद्धालुओं की मनोकामना मां अवशय पूर्ण करती है। मनसा पूजा में मेला का भी आयोजन होता रहा है,जहां लोग आनंद लेते हैं छोटे-छोटे बच्चों के लिए यह मेला आनंददाई होता है। मनसा पूजा के पूर्व संध्या पर सन्धि पूजा पुजारियों के द्वारा किया गया तथा मनसा पूजा के अवसर पर सर्वेश्वर झा, असित दास, विक्रम राय, मदन बनर्जी, सिद्धनाथ मजुमदार की देखरेख में कलश पूजन कर ग्राम रक्षा हेतु संपूर्ण बागतीपाड़ा में कलश यात्रा निकाली गई।इसमें घर घर पूजा-अर्चना हुई तदोपरांत पुजारी सहित श्रद्धालुओं ने मनसा मंदिर जलकुंड में स्नान कर डुबकी लगाते हुए अग्निकुंड में प्रवेश कर नृत्य करते हुए मनसा मंदिर में पूजा हेतु प्रवेश कर पूजा अर्चना प्रारंभ किया।उसके तुरंत बाद बलिदान प्रारंभ हुआ। बागतीपाड़ा पाकुड़ में आठ दिवसीय मनसा पूजा को सफल बनाने में अमित घोष,हिसाबी राय,बच्चु राय,छोटन मेहरा,लव रजक,रोहित गुप्ता,सुब्रजीत राय,विक्की राय,कार्तिक राय,कन्हैया शंभू बागती,बामा बागती,फजलु राय प्रवीण राय,राहुल सिंह, प्रिन्स सिंह,छोटू राय सोमू दास बाबाय बनर्जी बापन राय लालू राय प्रेम राय आस्तिक राय,पार्थो बनर्जी सहित समस्त ग्राम वासियों ने अहम भूमिका निभाई।

चार दिवसीय संकल्प यात्रा की शुरुआत खोलें बाबूलाल भोगनाडीह पहुंचे

- सिदो कान्हू चांद भैरव की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर दी श्रद्धांजलि
- बरहेट में करेंगे जनसभा को संबोधित

पाकुड़/ साहिबगंज/झारखंड देखो। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी अपनी चार दिवसीय संकल्प यात्रा को ले संथाल परगना के साहिबगंज जिले पहुंचे। साहिबगंज जिले के भोगनाडी से उन्होंने अपनी संकल्प यात्रा की शुरुआत की है। रांची से वनांचल ट्रेन से गुरुवार की सुबह 6 बरहरवा पहुंचे। बाबूलाल सर्वप्रथम सिद्धू कानू चांद भैरव फूलों झा नो की जन्मस्थली पहुंचे। भोगनाडीह गांव पहुंचने पर बाबूलाल का आदिवासी महिलाओं ने उनका पारंपरिक संथाली रिती रिवाज से पैर पकड़ कर स्वागत किया। आदिवासी महिलाओं के द्वा-रा पारंपरिक तरीके से की गई स्वागत से बाबूलाल अभी भूत दिखे। भोगनाडी में स्थित सिद्धू कानू चांद भैरव की कांस्य प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर बाबूलाल के साथ राजमहल के विधायक अनंत ओझा, पूर्व मंत्री लुईस मरांडी, गुड्डा विधायक अमित मंडल, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष साहिबगंज रेणुका मुर्मू, पूर्व जिला परिषद अध्यक्ष पाकु-ड़ बाबू धन मुर्मू सहित दर्जनों पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद दिखे। बाबूलाल मरांडी यहां से निकल कर शिव गां मंदिर पहुंचकर दर्शन किया। मंदिर दर्शन के बाद बरहेट विधानसभा में जनसभा को संबोधित करेंगे। हालांकि खबर भेजे जाने तक जनसभा की शुरुआत नहीं हो पाई थी।

उपविकास आयुक्त ने दर्जनों योजनाओं का किया निरीक्षण

लिट्टीपाड़ा(पाकुड़)/झारखंड देखो। उपविकास आयुक्त शाहिद अख्तर ने गुरुवार को प्रखण्ड क्षेत्र का दौरा कर कई गावो में दर्जनों योजना का निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना का भी निरीक्षण किया. उन्होंने कहा पीएम आवास योजना में जो लाभुक निर्माण की राशि लेकर निर्माण कार्य पूर्ण नही करेगा, वैसे लाभुको पर सर्टिफिकेट केस किया जाएगा. अन्यथा आवास का निर्माण कार्य एक सप्ताह के अंदर शुरू करे. जिन लोगो ने राशि लेकर आवास का निर्माण कार्य अधूरा रखा है, वे एक सप्ताह में कार्य पूर्ण करे. पंचायत सचिव व प्रधानमंत्री के प्रखण्ड समन्वयक को उन्होंने शक्त निर्देश देते हुए कहा कि हरहाल में आवास का निर्माण कार्य पूर्ण करवाये. इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दास्त नही किया जाएगा. डीडीसी लिट्टीपाड़ा के एक लाभुक मरांगमय किस्कू का आवास निर्माण कार्य देखने पहुचे, जहा केवल नीव खुदाई कर लाभुक ने सामग्री बालू व ईट गिरा कर रखा था. जबकि उसे 40 हजार रुपये अग्रिम मिला चुका है. उन्होंने लाभुक के साथ पंचायत सचिव को फटकार लगाते हुए एक सप्ताह में कार्य प्रारंभ कर पूर्ण कराने का हिदायत दिया. वही उन्होंने धुनधापहाड़ी में प्रमिला हेम्ब्रम का आम बागवानी का निरीक्षण किया और पौधा रोपण भी किया. उन्होंने लाभुक को आम बागवानी को अपने बच्चे की भांति जोगने का निर्देश दिया. उन्होंने कहा यह पेड़ आगे चलकर आपको अच्छी आमदनी देगा. इसके अलावे लिट्टीपाड़ा के अमिता टुडु व धुंधापहाड़ी में शर्मिला टुडु का दीदीबाड़ी योजना का भी निरीक्षण किया. उन्होंने कहा अगले 20 से 25 अगस्त तक सेकेंड स्टेज का पौधा रोपण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा. इसके लिए. बीडीओ संजय कुमार, बीपीओ, कनीय अभियंता व सहायक अभियंता को आवशचक निर्देश दिया।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री आवास दिवस का आयोजन

पाकुड़/झारखंड देखो। झारखंड सरकार के निर्देशानुसार गुरुवार को पाकुड़िया प्रखंड के पंचायत कार्यालयों में प्रधानमंत्री आवास लाभुक दिवस मनाया गया। कार्यक्रम का सफल आयोजन मुखिया एवं रोजगार सेवको की देखरेख में किया गया। इस दौरान लागडुम, मोहलपहाडी, बासेतकुंडी, राजपोखर, डोमंगड़िया, छोटा सिंहपुर, खकसा सहित अन्य पंचायतों में लाभुको की मौजूदगी में प्रधानमंत्री आवास लाभुक दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज कुमार ने खुद कई पंचायतों में पहुंचकर बैठक में शामिल होकर प्रधानमंत्री आवास योजना का समीक्षा किया। बीडीओ ने सभी लाभुको को निर्माणाधीन आवास को समयसीमा के अंदर पूर्ण करने का निर्देश लाभुकों को दिया।

33 सदस्यों को 1650 चूजों और 330 किलो दाना का वितरण

पाकुड़िया (पाकुड़)/झारखंड देखो। पाकुड़िया प्रखंड के अंतर्गत आंगरगाड़िया , बाबूझुटी एवं सरसाबांध के उत्पादक समूहों में सदस्यों को गुरुवार को संथाल परगना महिला प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सौजन्य से प्रथम चक्र में प्रत्येक सदस्य को 50 चूज़ा , 10 किलो दाना , 2 ड्रिंकर , 2 फीडर एवं दवा दिया गया । कुल 33 सदस्यों को 1650 चूजों और 330 किलो दाना का वितरण किया गया। मौके पर बीपीओ राजीव कुमार , सन्त बास्की , सोनिका हेम्ब्रम एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

आईआरएस कीटनाशक का छिड़काव

पाकुड़िया(पाकुड़/झारखंड देखो। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पाकुड़िया अंतर्गत खजूरडगाल गांव में गुरुवार को आईआरएस कीटनाशक छिड़काव किया गया। स्वास्थ्य विभाग के सौजन्य से कालाजार उन्मूलन हेतु आईआरएस कीटनाशक छिड़काव ग्रामीण क्षेत्र के गांवो में किया जा रहा है। पर्यवेक्षक के टी एस संजय मुर्मू ने बताया पाकुड़िया प्रखंड के कूल 22 कालाजार प्रभावित गांवों में सिंथेटिक पायरेथ्राइड 5% नामक कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जाएगा। यह अभियान 1अगस्त से 6 सितंबर 2023 तक चलाया जाएगा। उन्होंने बताया घर के सभी कमरों में उक्त दवाई छिड़काव करने से बालू मक्खी एवं मच्छर मर जाती है जिससे कालाजार रोगों से 80% तक की कमी आ सकती है। सरकार की ओर से कालाजार रोगी को श्रम क्षतिपूर्ति राशि बीएल रोगी को 6,600 रुपये एवं पीकेडीएल रोगी को 4,000 रुपये दिया जाता है। केटीएस संजय मुर्मू ने सभी ग्रामीणों से अपील की गई कि वह घर के सभी कमरों में पूर्ण छिड़काव कराएं ताकि कालाजार एवं मलेरिया जैसे घातक बीमारी से बचा जा सके। इस अवसर पर एमपीडब्ल्यू रविंद्र मुर्मू, अंकित हेम्ब्रम, शिवराम किस्कू, एसएफडब्ल्यू डिजन भंडारी सरवन ठाकुर , माधव ठाकुर, राजेंन सोरेन आदि उपस्थित थे।

जन वितरण प्रणाली दुकानदार के विरुद्ध लाभुकों ने लगाया कम अनाज व दुर्व्यवहार करने का आरोप

- जांच के बाद जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने डीलर को किया निलंबित
- उपायुक्त ने कहा किसी भी हाल में राशन वितरण में गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी

पाकुड़/झारखंड देखो। उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल के निर्देश पर जन वितरण प्रणाली दुकानों पर आपूर्ति विभाग द्वारा समय पर व निर्धारित परिमाप पर अनाज का वितरण लाभुकों के बीच कराया जा रहा है। वहीं लाभुकों द्वारा मिलने वाली शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने सदर प्रखंड के मदनमोहनपुर पंचायत के जन वितरण प्रणाली विक्रेता तबरक हुसैन को कम अनाज देने के मामले में कार्रवाई करते हुए तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। कार्डधारियों द्वारा उक्त डीलर के विरुद्ध कम अनाज देने वह दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए शिकायत की गई थी। शिकायत को संज्ञान में लेते हुए जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी को जांच का निर्देश दिया था। जांच के क्रम में 500 ग्राम प्रति यूनिट खाद्यान्न कम दिए जाने का मामला सत्य पाया गया। इसके अलावा कार्डधारियों को डराया धमकाने की भी बात सामने आई। वहीं व्यापार स्थल में अंगूठा लेने के बजाय निजी घर में ई-पॉस में अंगूठा के निशान लिए जाने की बात सामने आई। इसके अलावा अंगूठा लेने के उपरांत दूसरा या दुसरा पहर में खाद्यान्न वितरण किए जाने का भी मामला सामने आया। व्यापार स्थल पर निगरानी समिति बोर्ड नहीं पाया गया। वितरण पंजी स्टॉक पंजी निगरानी पंजी संधारित नहीं पाया गया। वहीं मामले को लेकर उक्त जन वितरण प्रणाली दुकानदार से 31/07/ 2023 को 3 दिनों के अंदर स्पष्टीकरण की मांग की गई थी। उनके द्वारा स्पष्टीकरण समर्पित किया गया है, जो संतोषजनक नहीं है। जिसके बाद कार्रवाई करते हुए पाकुड़ प्रखंड के मदन मोहनपुर पंचायत के जन वितरण प्रणाली विक्रेता तबारक हुसैन (अनुज्ञप्ति सं०-36 /1985) को खाद्यान्न गबन मामले में तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने कहा कि समय पर व उचित मात्रा में खाद्यान्न वितरण नहीं करने वाले डीलरों के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। किसी भी हाल में राशन वितरण में गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं उन्होंने कार्डधारियों से डीलरों को अच्छे तरीके से मैत्रीपूर्ण व्यवहार करने का निर्देश दिया है।

हिरणपुर में करीब दो घण्टे तक लगी सड़क जाम, पुलिस ने हटाया

हिरणपुर(पाकुड़)/झारखंड देखो। हिरणपुर -लिट्टीपाड़ा पथ में दुर्गा मंदिर निकट गुरुवार अपरान्ह सड़क जाम की स्थिति बन गई। स्थानीय पुलिस की सहयोग से करीब दो घण्टे बाद जाम को हटाकर यातायात व्यवस्था दुरुस्त किया। साप्ताहिक हाट रहने के कारण बाजार के मुख्य सड़क में वाहनों का तांता लगा रहा। वही जमकर हुई बारिश के कारण वाहनों को सड़क में ही खड़ी किये जाने से आवागमन पूरी तरह अवरुद्ध हो गया। बाजार स्थित सड़क की स्थिति भी काफी दयनीय है। सरकारी मवेशी हाट से निकले पानी सड़क होकर बहती है। जिसकारण सुभाष चौक निकट काफी गहरी खाई बन चुकी है। जहां आये दिन दुर्घटना होते आ रहा है। उधर इस सड़क में ई रिक्शा का आवागमन काफी संख्या में होता है। जो वाहनों को सड़क में ही मनमानी ढंग से खड़ा कर देता है। इसके अलावे बाइक सहित अन्य वाहनों को भी सड़क में ही रख देता है। जब कभी बड़ी वाहन आने साथ सड़क में जाम की स्थिति बन जाती है। इसको लेकर पुलिस प्रशासन ने कई बार कार्रवाई भी किया। पर इसमे अभी तक सुधार नही आया। उधर दुकानदारों द्वारा की गई अतिक्रमण से सड़क की चौड़ाई काफी संकीर्ण सा हो गया है। जाम को लेकर एएसआई अरविंद कुमार द्वारा सड़क में खड़े होकर काफी प्रयास किया गया। इसके बाद जाम से निजात मिली। सम्बन्धित विभाग को इसको लेकर प्रयास करना आवश्यक है।

उपायुक्त ने समाहरणालय में विभिन्न कार्यालयों का किया निरीक्षण,पदाधिकारियों और कर्मियों को दिया आवश्यक निर्देश

पाकुड़/झारखंड देखो।

उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल ने गुरुवार को समाहरणालय स्थित विभिन्न विभागों के कार्यालयों का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने विशेष प्रमंडल,जिला सहकारिता कार्यालय, झारनेट, जन शिकायत कोषांग, डीईजीएस, राजस्व, जिला स्थापना शाखा, सामान्य शाखा समेत अन्य कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त श्री बरणवाल ने कार्यरत सभी कार्यालयों के बारे में जानकारी लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों /कर्मियों को आवशचक दिशा-निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने बारी-बारी से सभी कार्यालयों में पहुँचकर कार्यों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने संबंधित कार्यालय में कार्यरत प्रधान लिपिक एवं अन्य कर्मियों से निष्पादित किए जाने वाले कार्य के बारे में विस्तार से जानकारी ली और कार्य निष्पादन में किसी तरह की समस्या तो नहीं आ रही इसके बारे में भी जाना। उपायुक्त ने विभिन्न कार्यालयों द्वा-रा किए जाने वाले कार्यों के बारे में कार्यालय प्रधान और कर्मियों से संक्षिप्त चर्चा करते हुए कहा कि जो भी कार्य हैं उनका ससमय निष्पादन करें। निरीक्षण के दौरान विशेष प्रमंडल कार्यालय के बाहर में गंदगी देख नाराज़गी प्रकट करते हुए 24 घंटे के अंदर साफ-सफाई कराने का निर्देश विशेष प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता को दिया। उपायुक्त ने कहा कि जिस कार्यालय में हम कार्य करते हैं उस परिसर की साफ सफाई सभी की नैतिक जिम्मेवारी है। उन्होंने कर्मियों को न सिर्फ अपने कार्यस्थल को स्वच्छ रखने, बल्कि अन्य लोगों को भी गंदगी न फैलाने के लिए प्रेरित करने का निर्देश दिया। उन्होंने अगले सात दिनों के अंदर सभी कार्यालयों की समुचित साफ-सफाई करने का भी निर्देश दिया। सम्पूर्ण समाहरणालय पाकुड़ में सुचारू रूप से पानी की व्यवस्था हेतु कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल पाकु-ड़ को आदेश दिया गया है। सभी शौचालय को नियमित रूप से साफ सफाई करना तथा महिला एवं पुरुष के लिए अलग-अलग शौचालय को चिन्हित करना सुनिश्चित करेंगे। शौचालय के साफ सफाई का दायित्व बाहय स्त्रोत के कर्मी का होगा। शौचालय में पानी अथवा निकासी की समस्या को कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल पाकुड़ को आदेश दिया गया है। निरीक्षण के दौरान झारनेट पाकुड़ में लाईट की मरम्मति हेतु जिला नजारत उप समाहर्ता पाकुड़ को निर्देश दिया गया है। झारनेट पाकुड़ की कर्मी को निर्देश दिया गया है कि वे अपने कार्यालय की साफ-सफाई नियमित रूप से कराना सुनिश्चित करेंगे। मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, एसएमपीओ पवन कुमार समेत अन्य कर्मी उपस्थित थे।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

दूसरे परिवारों में बाल मजदूर के रूप में रह रहे थे तीन भाई बहन

- मां के नहीं होने व पिता के साथ नहीं रहने के कारण परिवार से कर दिये गये दूर
- समिति ने अलग-अलग जगहों से तीनों को बरामद कर परिवार में किया पुनर्वासित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। तीन भाई-बहनों को दूसरे परिवारों में बाल मजदूर के रुप में काम करवाया जा रहा था। बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) ने बालिका और उसके दो भाईयों को अलग-अलग जगह से बरामद करा कर तीनों को परिवार में पुनर्वासित कर दिया है। इनके पिता काठीकुण्ड में रहते हैं और काम के लिए प्रायः बाहर में ही रहते हैं। बच्चों की मां नहीं है। तीनों बच्चों की देखभाल उनकी फुआ किया करती थी। इनमें से एक बालक को काठीकुण्ड में और दूसरे को शिकारीपाड़ा में अलग-अलग परिवारों को दे दिया गया था। जहां उनका स्कूल में नाम तो लिखवा दिया गया था पर उन्हें स्कूल भेजने के बजाय उनसे मजदूरी करवायी जा रही थी। इनकी बहन को दुमका में एक परिवार को दे दिया गया था। यह बालिका भी बाल मजदूर के रूप में रखी गयी थी। सीडब्ल्यूसी के चेयरपर्सन डॉ अमरेन्द्र कुमार को एक चाइल्ड लेबर के रूप में दूसरे परिवारों में रखने की सूचना मिली तो उन्होंने इनमें से एक भाई को चाइल्ड लाइन के माध्यम से काठीकुंड से रेस्क्यू करने का आदेश दिया। इसी बीच नियोक्ता को बच्चों का रेस्क्यू किये जाने की जानकारी मिली तो अपने बचाव में खुद ही 1098 पर कॉल कर मामला दर्ज करवा करवाया। इस बालक को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। बालक, उसकी फुआ और पिता के बयान से समिति को ज्ञात हुआ की वह तीन भाई और एक बहन है। बड़ा भाई 18 वर्ष से अधिक आयु का है जो बाहर काम करता है। दूसरे भाई को गरीबी के कारण उसके पिता ने शिकारीपाड़ा के कालीचुआं में किसी को दे दिया है। रेस्क्यू किया गया बालक तीसरा भाई है। सबसे छोटी बहन को दुमका में एक अधिवक्ता लिपिक के पास रख दिया था। जहां बालिका से काम करवाया जाता था। स्कूल में उसका नाम लिखवा दिया था। लेकिन वह एक-दो बार ही स्कूल गयी थी। बालिका अंगूठा लगाती है। काठीकुंड से रेस्क्यू किये गये बालक को हैंडओवर लेते हुए उसकी फुआ ने समिति को आश्वस्त किया था कि वह सभी बच्चों को वापस लेकर अपने पास रखेंगी। लेकिन एसआईआर रिपोर्ट में स्तिथि यथावत पाई गई। तब समिति ने संज्ञान लेते हुए दुमका में रह रही बालिका को समिति के समक्ष प्रस्तुत करने का निर्देश अधिवक्ता लिपिक को दिया। पहली तिथि को बालिका का बयान दर्ज किया गया जिसमें बालिका ने बताया कि उसके घर से कभी कोई मिलने नहीं आता हैं। वह घर जाना चाहती है। समिति द्वारा कॉउंसलिंग करने के पश्चात उसे वापस भेज कर अगली तिथि को बालिका के पिता, फुआ और कालीचुआं में रहे बालक सहित तीनों बच्चों को समिति के समक्ष प्रस्तुत करने का आदेश दिया। बुधवार को तीनों भाई बहनों को समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। समिति के चेयरपर्सन डॉ अमरेन्द्र कुमार, सदस्य रंजन कुमार सिन्हा, डॉ राज कुमार उपाध्याय, कुमारी विजय लक्ष्मी और नूतन बाला ने इस मामले की सुनवायी करते हुए दोनों भाईयों और उनकी बहन को उनके फुआ को सौंप दिया। समिति ने चाइल्ड लेबर के रूप में चिन्हित तीनों भाई बहनों को पुनर्वासित करने हेतु उन्हें स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़ने का निर्णय लिया है। इसके तहत प्रत्येक को 4000 रुपये मासिक राशि उनके बैंक खाता में दी जायेगी। तीनों बच्चों का नामांकन स्कूल में करा कर नियमित रूप से विद्यालय भेजने का निर्देश दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

क्षेत्र में बिजली की समस्या को लेकर जिला बिजली आपुर्ति पदाधिकारी से मिले गौतम

- बरकट्ठा प्रखंड के बोनसिंघा,चेचकप्पी व बुच्चई में लगेगा ट्रांसफार्मर - गौतम

इचाक । बरकट्ठा विधानसभा क्षेत्र के युवा नेता एक बार फिर क्षेत्र में बिजली समस्या को लेकर जिला आपूर्ति पदाधिकारी व वरीय इंजीनियर से मुलाकात किये।क्षेत्र में सिंचाई के लिए बरकट्ठा, चलकुशा व इचाक में बिजली पोल लगवाने का बात रखे और साथ ही बोनासिंघा, चचकप्पी और बुच्चई में ट्रांसफार्मर जल जाने से एक माह से अंधेरे में झेल रहे बिजली की समस्या को अवगत करवाया।जिला पदाधिकारी ने कहा कि कल बोनासिंघा में ट्रांसफार्मर लगेगा क्योकि वहाँ धनरोपनी होने के बाद गाड़ी नही पहुँच पायेगा।उसके बाद अन्य दो जगह पर एक दो दिन में लग जायेगा।मुलाकात के दौरान रंजीत यादव,बलि सिंह,सुधिर मोदी,सुजीत कुमार,इत्यादि लोग मौजुद थे।

बड़कागांव डेली मार्केट बना कूड़ा का भंडारा

बड़कागांव । बड़कागांव डेली मार्केट इन दिनों बना कूड़ा कचरा का भंडारा ! डेली मार्केट में इतना ज्यादा कचरा जमा रहता है कि बोरा में बंद करके रखा जा रहा है ! लोग काफी दूरी से यहां पर सब्जी खरीदने के लिए आते हैं! लेकिन इतना गंदगी ओर बदबू आती है की लोग अब आना पसंद नहीं करते हैं! इस विषय पर प्रतिनिधि लोग अब तक संज्ञान नहीं लिए हैं! बड़कागांव डेली मार्केट में सब्जी खरीदने के लिए टंडवा, हजारीबाग, फतहा इत्यादि जगहों से आते हैं लोग! अगर सफाई होता तो यह तस्वीर देखने को नहीं मिलती ! लोग रुमाल मुंह मे रखकर सब्जी खरीदने के लिए मजबूर है ! यहां के स्थानीय लोग कहते हैं कि हमेशा इसी तरह कचरा जमा रहता है!

भारत निर्वाचन आयोग ईवीएम नोडल पदाधिकारी ने ईवीएम वेयरहाउस में एफएलसी (फर्स्ट लेवल चेकिंग) कार्य का निरीक्षण

पाकुड़/झारखंड देखो। गुरुवार को भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली से प्रतिनियुक्त श्रीघर, ईवीएम नोडल पदाधिकारी, तमिलनाडु के द्वारा ईवीएम वेयरहाउस में ईवीएम वीवीपीएटी मशीन का फर्स्ट लेवल के कार्यों का निरीक्षण किया। ईवीएम नोडल पदाधिकारी श्रीघर ने ईवीएम कोषांग में उप निर्वाचन पदाधिकारी से वेयरहाउस में चल रहे कार्यों की जानकारी ली। उप निर्वाचन पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि सभी राजनीतिक दल के सदस्यों की उपस्थिति में अभियंताओं के द्वारा इवीएम वीवीपीएटी मशीन का फर्स्ट लेवल चेकिंग किया जा रहा है। इस क्रम में नोडल पदाधिकारी ने भारत निर्वाचन आयोग की ओर से जारी दिशा निर्देशों का शत प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते एफएलसी कार्य पूर्ण करने के निदेश दिए। निरीक्षण क्रम में नोडल पदाधिकारी ने वेयरहाउस में सुरक्षा प्रोटोकॉल, सीसीटीवी कैमरा, अग्निशामक व्यवस्था समेत अन्य सुविधाओं का जायजा लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। मौके पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त मृत्युंजय कुमार बरणवाल, एफएलसी सुपरवाइजर-सह- अनुमंडल पदाधिकारी श्री हरिवंश पंडित,प्रभारी पदाधिकारी, जिला निर्वाचन शाखा श्री प्रमोद कुमार दास, एउक्छ के अभियंता एवं कार्यालय कर्मी उपस्थित थे।

बाबूलाल मरांडी के आगमन को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने की बैठक

पाकुड़िया(पाकुड़)/झारखंड देखो। झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री सह प्रदेश अध्यक्ष भाजपा के पाकुड़िया आगमन के मद्देनजर डाकबंगला परिसर पाकुड़िया में भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं को निर्देश देते हुए मंडल अध्यक्ष विजय भगत ने सभी सातों मोर्चा के अध्यक्षों को हर पंचायत से शत प्रतिशत भाजपाइयों की उपस्थिति हर हाल में सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए बताया कि ज्यादा से ज्यादा महिला कार्यकर्ताओं की उपस्थिति हेतु प्रत्येक गांवों में जाकर प्रचार प्रसार करने का कार्य करें। इधर इस बाबत पत्रकारों को जानकारी देते हुए मंडल अध्यक्ष श्री भगत ने बताया कि बाबूलाल जी के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद यह पहला प्रखंड सह विधानसभा स्तरीय दौरा है जिसे ऐतिहासिक दौरा बनाने की सारी तैयारियां अंतिम चरण पर है। आगामी 20 अगस्त रविवार को दिन के ठीक 11 बजे प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी पाकुड़िया पहुचेंगे और कार्यकर्ताओं में जोश भरने हेतु एक विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करेंगे। मंडल अध्यक्ष श्री भगत ने बताया कि वर्तमान सरकार की कारगुजारियों एवं लालफीताशाही, भ्रष्टाचार से जनता पूरी तरह ऊब चुकी है। जनता बस आगामी चुनाव का बेसब्री से इंतजार कर रही है। इस बार झारखंड में अगली सरकार बाबूलाल मरांडी की अगुवाई में भाजपा गठबंधन की सरकार होगी जिसकी बिसात पूरे राज्य में बिछ चुकी है और जनता बेसब्री से बस वोट का इंतजार कर रही है। बैठक में जयसेन बेसरा, तपन मंडल, अभिमन्यु भंडारी, हिरदानंद भगत, संजीव भगत, दीपक साहा, उमाशंकर भगत, शंकर दास, लक्ष्मण राय, सुखलाल मिर्धा, गोपाल राय, दे०ठाकुर , नरेश साह, वर्शन टुडू आदि अन्य दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हजारीबाग कमिश्नर 18 को रामगढ के कुंदूरू खुर्द में जा कर करेंगें 17 एकड़ भूमि के गलत म्यूटेशन की जांच

रामगढ़/झारखंडदेखो/प्रतिनिधि।

रामगढ़ अंचल के कुंदरु खुर्द गांव में 17.18 एकड़ भूमि के गलत तरीके से म्यूटेशन का मुद्दा अब काफी गंभीर हो गया है। हाई कोर्ट की टिप्पणी के बाद राज्य सरकार के निर्देश पर हजारीबाग कमिश्नर अब इस मामले की जांच ग्राम सभा लगाकर करेंगे।

रामगढ़ डीसी चंदन कुमार ने गुरुवार को बताया कि 18 अगस्त को कुंदरु खुर्द ग्राम पंचायत में ग्राम सभा का आयोजन किया गया है। गलत तरीके से म्यूटेशन का आदेश दिए जाने संबंधित तथाकथित आरोप की जांच के लिए आयुक्त उत्तरी छोटा नागपुर प्रमंडल हजारीबाग द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में ग्राम सभा आयोजित की जाएगी।

इस संबंध में कोई आपत्ति हो या कोई साक्ष्य प्रस्तुत करना हो तो संबंधित 24 अगस्त तक आयुक्त कार्यालय उत्तरी छोटा नागपुर प्रमंडल, हजारीबाग में उपस्थित होकर साक्ष्य सहित आपत्ति दे सकते हैं। साथ ही आयुक्त उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल द्वारा रामगढ़ जिला अंतर्गत सभी मठों की सूची पता सहित उपलब्ध कराने एवं मामले की विस्तृत जांच के लिए भूमि सुधार उपसमाहर्ता के न्यायालय द्वारा पारित आदेश में अंकित पंकज कुमार, महेश महतो, जिलानी खान एवं नरेश कुमार के पिता का नाम व पता उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया गया है।

अंतिम दिन 5 अभ्यर्थियों ने कराया नामांकन

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

डुमरी। 33-डुमरी विधानसभा उपचुनाव को लेकर नाम निर्देशन प्रपत्रों की बिक्री हेतु निर्धारित तिथि के अंतिम दिन गुरूवार (17 अगस्त) को पांच अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन प्रपत्र दाखिल किया।जिन अभ्यर्थियों ने नाम निर्देशन प्रपत्र दाखिल किया उनमें इंडिया गठबंधन के जेएमएम के उम्मीदवार बेबी देवी (पति स्व. जगरनाथ महतो एनडीए गठबंधन के आजसू उम्मीदवार यशोदा देवी (पति स्व.दामोदर प्रसाद महतो निर्दलीय अभ्यर्थी रोशनलाल तुरी झारखण्ड पीपुल्स पार्टी के उम्मीदवार बैजनाथ महतो एवं निर्दलीय उम्मीदवार लैलुन निशा (पति अब्दुल मोबिन) शामिल हैं।उक्त जानकारी डुमरी एसडीएम सह निर्वाची पदाधिकारी डुमरी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र मो शहजाद परवेज ने दी है।

गार्ड को बंधक बनाकर स्टोर से लाखों रुपये की समान की हुई लूट

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

गोमिया। गोमिया थाना क्षेत्र के हजारी मोड़ स्थित एक स्टोर से अपराधियों ने बुधवार की देर रात लाखों रुपये का समान लूट कर ले गए। इस दौरान स्टोर में तैनात गार्ड की पिटाई भी की गई। घटना के संबंध में गार्ड राजेश कुमार और मुन्ना कुमार राय ने बताया कि वे दोनों ओएनजीसी अधीनस्थ ओवल प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग प्राइवेट लिमिटेड में काम करते हैं। कंपनी का स्टोर हज़ारी मोड़ के निकट स्थित है। वे दोनों बुधवार की रात को भी स्टोर ड्यूटी में तैनात थे। देर रात लगभग दो से तीन बजे के बीच चार-पांच अपराधी वहां पहुंचे और उन्हें तमंचे का भय दिखाकर अपने कब्जे में ले लिया और बुरी तरह से मारपीट किया। इसके बाद एक रूम में बंद कर दिया। स्टोर में कंपनी की ग्राइंडर मशीन, वेल्डिग मशीन, रेंच सहित करीब चार पांच लाख रूपये के कीमती पार्ट पुर्जा था, जिसे एक पिकअप वैन में भरकर ले गए। उन्होंने बताया कि अपराधियों ने उनके मोबाइल को पटक कर तोड़ दिया। अपराधी जब चले गए तब किसी तरह वे कंपनी के वरीय अधिकारियों को सूचना दी। सुबह दोनों गोमिया थाना पहुंचे और घटना की जानकारी दी। पुलिस ने उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजकर इलाज कराया। जहां उनका प्राथमिक इलाज किया गया। घटना की जानकारी मिलने के बाद थाना के सब इंस्पेक्टर दिलीप मुंडा व एएसआई आनंद प्रकाश पांडेय दल बल के साथ घटनास्थल से पहुंचे और घटना के संबंध में जानकारी ली।पुलिस ने बताया कि अपराधियों की धर पकड़ के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी की जा रही है।

उपचुनाव प्रत्याशी बेबी देवी व यशोदा देवी ने दिखाया दमखम...

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

डुमरी।डुमरी विधानसभा उपचुनाव में नामांकन दाखिल करने के निर्धारित तिथि के अंतिम दिन गुरूवार को इंडिया गठबंधन के जेएमएम उम्मीदवार सह सूबे की मंत्री बेबी देवी और एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार आजसू पार्टी की यशोदा देवी के द्वारा नामांकन करने के दौरान संबंधित दलों के दिग्गजों का जमावड़ा डुमरी में रहा।एक ओर जहां इंडिया गठबंधन के झामुमो उम्मीदवार बेबी देवी के समर्थन में प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, कृषि मंत्री बादल पत्रलेख, मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री हफीजूल हसन, मंत्री विधायक मधुरा महतो,डा सरफराज अहमद,सुदिव्य सोनू,बिनोद सिंह पूर्व विधायक निजामुद्दीन अंसारी,योगेन्द्र महतो राजकुमार यादव व जलेश्वर महतो विधायक जयमंगल सिंह पूर्व विधायक राजकुमार यादव कांग्रेस कार्यकारी जिलाध्यक्ष सतीश केडिया अपने अपने समर्थकों के साथ जमे रहे। दूसरी ओर एनडीए गठबंधन की आजसू पार्टी की उम्मीदवार यशोदा देवी के समर्थन में आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो, राज्य सभा सांसद आदित्य साहू, सांसद चन्द्रप्रकाश चौधरी, पूर्व सांसद रविन्द्र राय, पूर्व विधायक नागेन्द्र महतो, पूर्व विधायक निर्भय शाहाबादी, विधायक जेपी पटेल, विधायक केदार हाजरा, सारठ विधायक रंधीर सिंह, पूर्व विधायक योगेश्वर महतो बाटुल, पूर्व विधायक उमाकांत रजक,रामचंद्र सहिस जिप सदस्य प्रदीप मंडल, भाजपा नेता प्रशांत जायसवाल, भाजपा जिला अध्यक्ष महादेव दुबे प्रदेश उपाध्यक्ष प्रणव वर्मा,प्रदीप साहू आजसू नेता छक्कन महतो भाजपा नेता अशोक उपाध्याय यदुनंदन पाठक आजसू नेता देवशरण भगत अपने अपने समर्थकों के साथ जमे रहे।बारिश में भी लोग जमे रहे।इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बेबी देवी के समर्थन में केबी हाई स्कूल के मैदान में आयोजित सभा में जहां हजारों लोगों की भीड़ उमड़ी पड़ी थी, तो एनडीए गठबंधन के उम्मीदवार यशोदा देवी के समर्थन में लोगों व वाहनों का काफिला बेरमो मोड़ से इसरी तक जमा था।दोनों उम्मीदवारो ने अपनी अपनी ताकत का एहसास क्षेत्र वासियों को कराया।

उप विकास आयुक्त ने चंदवारा प्रखंड अंतर्गत मनरेगा संचालित योजनाओ का निरीक्षण कर आवशयक दिशानिर्देश दिये

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

कोडरमा/ उप विकास आयुक्त ऋतुराज द्वारा चंदवारा प्रखंड का दौरा किया गया। इस क्रम में उन्होंने खांटी पंचायत भवन का निरीक्षण किये। उन्होंने वित्तिया वर्ष 2023-24 में मनरेगा अंतर्गत योजनाओं के दस्तावेजों को देख और रोजगार सेवक को निर्देश दिये कि सभी दस्तावेजों और रजिस्टर का बेहतर तरीके से संधारण करेंगे। इसके बाद उन्होंने खांटी पंचायत में पूर्ण योजनाओं का एमआईएस पूर्ण करने की बात कही। इसके अतिरिक्त ग्राम ढाब में डोभा,कूप, बिरसा हरित ग्राम योजना अंतर्गत आम बागवानी, खेल मैदान, मिश्रित वागवानी का निरीक्षण किये, उन्होंने कहा कि पौधो का संरक्षण बेहतर तरीके से करें ताकि आने वाले समय यह पौधे फल दे सके और आपके आजीविका का साधन बन सके। इसके अतिरिक्त उन्होंने ढाब प्लस 2 उच्च विद्यालय और आरएमएम उच्च विद्यालय का निरीक्षण किये। उन्होंने निरीक्षण के क्रम में विद्यालय में शौचालय , बाउंड्री वॉल अन्य सुविधाओं का जायजा लिये। थाम पंचायत के मरम्मतिकरण और बाउंड्री वॉल का निरीक्षण कर आवशयक दिशा निर्देश दिये। मौके पर प्रखंड विका पदाधिकारी, रोजगार सेवक समेत अन्य मौजूद थे।

ट्रैफिक नियम का पालन कर दुर्घटना से बचें: उमेश राम

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

दुमका। पुलिस अधीक्षक पीतांबर सिंह खेरवार के निर्देशानुसार थाना प्रभारी शिकारीपाड़ा उमेश राम के द्वारा शिकारीपाड़ा क्षेत्र के संत टेरेसा स्कूल में लगभग 300 विद्यार्थियों के बीच जगराता अभियान के तहत सड़क सुरक्षा के संबंध में विशेष जानकारियां दिए गए उक्त अभियान में बच्चों को डायन बिसाही प्रतिषेध अधिनियम 2001, मोब लिंचिंग की रोकथाम एवं साइबर अपराध से संबंधित विशेष जानकारी दिया गया। पुलिस पदाधिकारियों ने छात्रों से कहा कि जब आपके अभिभावक आपको स्कूल से बिना हेलमेट या चार पहिया वाहन में बिना सीट बेल्ट के लेने आते हैं तो आप उनका विरोध करें एवं उन्हें यातायात के नियमों से अवगत कराते हुए नियमों को पालन करने हेतु प्रेरित करें। हेलमेट पहनना, सीट बेल्ट लगाना, नशे में वाहन ना चलाना, वाहन चलाते समय दूसरे वाहन के चालक को सहयोग करना, रात में वाहन चलाते समय डीपर लाइट एवं इंडिकेटर का इस्तेमाल करना, 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को वाहन चलाने ना दें, यातायात के नियम आपके सुरक्षा के लिए ही बनाए गए हैं,ट्रैफिक नियम का पालन कर दुर्घटना से बचें। वाहनों के फिटनेस का रखें पूर्ण ख्याल, चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करें, शराब पीकर वाहन न चलाएं,दुर्घटना से देर भली इसलिए ओवर स्पीड/ओवरलोड वाहन न चलाएं।भीड़भाड़ वाले इलाकों में वाहन धीमी गति से चलाने हेतु विशेष अभियान चलाकर हिंदी एवं संथाली भाषा में लोगों को जागरूक किए, नशे में वाहन चलाने वाले चालक की जानकारी देने के लिए पुलिस द्वारा जारी डायल 100 में कॉल करें अथवा नजदीकी थाना से संपर्क करें।

बच्चों ने स्कूल से निकाला बारिश का पानी

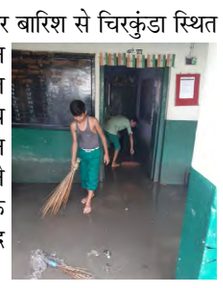

निरसा। दो दिनों से लगातार हो रहे मुसलाधार बारिश से चिरकुंडा स्थित रेयाजिया उर्दू मध्य विद्यालय के कमरों में जलमग्न हो गया। सुबह पढ़ने गए बच्चों ने कमरों में जल भरे होने की जानकारी स्कूल शिक्षक को दी। वरीय अधिकारियों को भी इसकी सूचना दी गई लेकिन किसी ने सूध तक नहीं ली। अंत में बच्चों ने अपने कपड़े को उतारकर स्वयं कमरों में भरे बारिश के जल को निकालने लगे। काफी मशक्कत के बाद कमरे में से जलजमाव को बाहर निकाला गया।

हिन्दी दैनिक
झारखण्ड देखो
खबरें, कहानी, लोग और बहुत कुछ

हत्यारोपितों की गिरफ्तारी के लिए डीजीपी से मिला भाजपा का प्रतिनिधिमंडल, सौंपा ज्ञापन

रांची। चतरा सांसद सुनील कुमार सिंह के नेतृत्व में प्रदेश भाजपा का प्रतिनिधिमंडल गुरुवार को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अजय कुमार सिंह से पुलिस मुख्यालय में मिला। प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा नेता राजेंद्र साहू के हत्यारों को जल्द पकड़ने की मांग की। राज्य में बढ़ते अपराध पर अविलंब रोक लगाने की भी अपील की। उन्हें इस संबंध में एक ज्ञापन भी सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल में विधायक नवीन जायसवाल, समरी लाल, पूर्व विधायक और प्रदेश उपाध्यक्ष गंगोत्री कुजूर, मुनेश्वर साहू (प्रदेश मंत्री), शिवपूजन पाठक (प्रदेश मीडिया प्रभारी), प्रतुल शाहदेव (प्रवक्ता), योगेंद्र प्रताप सिंह (प्रदेश सह मीडिया प्रभारी), जनार्दन पासवान और प्रकाश राम (पूर्व विधायक) तथा सुनील साहू (जिला महामंत्री) भी शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि अपराधियों के द्वारा राजनीतिक, सामाजिक कार्यकताओं को आए दिन निशाना बनाया जा रहा है। भाजपा नेता, कार्यकर्ता अपराधियों की हिट लिस्ट में हैं। अब तो अपराधी जेल से ही रंगदारी वसूल रहे और जान से मारने की धमकी दे रहे। अब सत्ताधारी दल के विधायक भी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं नेताओं ने कहा कि विगत डेढ़ दो महीनों का रिकॉर्ड देखा जाय तो 12 जुलाई को टुंडी

में आरएसएस कार्यकर्ता शंकर प्रसाद की हत्या, 23 जुलाई को खूंटी में किसान चमरा मुंडा की हत्या, 27 जुलाई को भाकपा नेता सुभाष मुंडा की हत्या, 28 जुलाई को वासुकीनाथ में अमरनाथ की हत्या, एक अगस्त को झरिया में धनंजय यादव की हत्या, छह अगस्त को भुरकुंडा में होटल संचालक रोशन साव की हत्या, 11 अगस्त को राजधानी रांची से सटे चिरौंदी में जूस दुकान संचालक मुकेश साव और रोहन साव की हत्या जैसे वारदात राज्य में अपराधियों की निडरता बता रहे है।इसके अलावा 12 अगस्त को भाजपा नेता राजेंद्र साहू की हत्या से पूरा पलामू प्रमंडल दहशत में है। छोटे-छोटे व्यवसाय चलाने वाले भी भयभीत हैं। अपराधियों का पुलिस की गिरफ्त से बाहर होना, अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई नहीं होना राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन की मंशा पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने डीजीपी से अनुरोध किया कि पुलिस राजेंद्र साहू, मुकेश साव, रोहन साव सहित सभी के हत्यारों को अविलंब गिरफ्तार करे। साथ ही राज्य को अपराध मुक्त बनाने की दिशा में राजनीतिक दबाव से ऊपर उठकर पुलिस प्रशासन कार्य करे।

झारखंड हाई कोर्ट में पेश हुए एसीबी के एसपी, कोर्ट ने चार सप्ताह में मांगा शपथ पत्र

रांची

मैनहर्ट घोटाला मामले में गुरुवार को एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के एसपी झारखंड हाई कोर्ट में पेश हुए। इस मामले में अब तक प्रारंभिक जांच रिपोर्ट नहीं आने एवं एफआईआर दर्ज नहीं होने को लेकर विधायक सरयू राय की ओर से दायर याचिका पर आज सुनवाई हुई। एसीबी के एसपी ने जस्टिस एसके द्विवेदी की कोर्ट में प्रारंभिक जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की। कोर्ट ने एसीबी के एसपी को चार सप्ताह में प्रारंभिक जांच के संबंध में शपथ पत्र प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

सुनवाई के दौरान एसीबी एसपी ने कोर्ट को बताया कि मैनहर्ट को टेंडर देने के संदर्भ में मंत्रिपरिषद से अप्रूवल मिला था, ऐसे में प्रारंभिक जांच की कार्रवाई आगे जारी रखने या ना रखने के संबंध में विधि विभाग से मंतव्य मांगा गया है। गुरुवार को जस्टिस एसके द्विवेदी की कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई तीन अक्टूबर निर्धारित की। राज्य सरकार की ओर से अधिवक्ता मनोज कुमार एवं दीपांकर ने पैरवी की। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता एके कश्यप ने पैरवी की।

कोर्ट ने पिछली सुनवाई में राज्य सरकार द्वारा अस्पष्ट सीलबंद रिपोर्ट दाखिल करने पर एसीबी के एसपी को कोर्ट में उपस्थित होने का निर्देश दिया था। पूर्व की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया था कि दिसंबर, 2020 में इस मामले को लेकर एसीबी ने पीई दर्ज की थी, लेकिन अब तक इसकी रिपोर्ट नहीं आई है। इस पर कोर्ट ने मामले में राज्य सरकार को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया था। इस बारे में राज्य सरकार की ओर से शपथ पत्र दाखिल कर बताया गया कि मामले में अभी जांच चल रही है। एसीबी की ओर से बताया गया कि इस मामले की जांच जारी रखने के संबंध में राज्य सरकार से लीगल ओपिनियन मांगी गई है।

इस पर याचिकाकर्ता के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि लीगल ओपिनियन मांगे जाने का मामला सरकार के पास एक साल से अधिक समय तक लंबित है। अगस्त, 2022 में ही एसीबी ने सरकार से लीगल ओपिनियन मांगी थी, लेकिन अब तक उस पर कुछ नहीं हुआ है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से मैनहर्ट मामले में सीलबंद रिपोर्ट कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत की गई थी, लेकिन रिपोर्ट अस्पष्ट थी।

नगर निगम बनाए पार्किंग जोन, फायर फाइटिंग इक्विपमेंट भी लगाएं दुकानदार : हाई कोर्ट

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में रांची के अपर बाजार स्थित कमर्शियल भवनों के बेसमेंट में दुकान चलाने, अपर बाजार की संकरी गली में जाम छुटकारा पाने और दुकानों में फायर फाइटिंग की व्यवस्था करने को लेकर दायर जनहित याचिका की सुनवाई हुई। मामले में हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि रांची स्थित अपर बाजार मार्केट एरिया में 15 दिनों के भीतर शॉपकीपर ओनर फायर फाइटिंग की व्यवस्था करें। अपर बाजार में अतिक्रमण हटाने को लेकर रांची नगर निगम लीगल तरीके से नोटिस जारी करते हुए कानूनी प्रक्रिया के तहत अतिक्रमण हटाए। साथ ही नगर निगम अपर बाजार में टू व्हीलर एवं फोर व्हीलर के लिए पार्किंग जोन बनाए।

हाई कोर्ट ने आदेश में कहा कि अपर बाजार एरिया में बड़े वाहनों ट्रैक्टर, ट्रक आदि को घुसने नहीं दिया जाए।

बड़े वाहनों को अपर बाजार से दूर रखा जाए, जिससे अपर बाजार जाम मुक्त रहे। इसके अलावा अपर बाजार में फायर फाइटिंग व्यवस्था पर अग्निशमन विभाग समय-समय पर निगरानी करता रहे। कोर्ट ने इन दिशा-निदेर्शों के साथ याचिका को निष्पादित कर दिया।

हाई कोर्ट में याचिकाकर्ता के अधिवक्ता राजीव कुमार, राज्य सरकार के अपर महाधिवक्ता सचिन कुमार, रांची नगर निगम के अधिवक्ता एलसीएन शहदेव, झारखंड चैंबर्स ऑप कॉमर्स के अधिवक्ता खुशबू कटारूका ने पक्ष रखे।

दुमका में आदिवासी युवक की पिटाई के विरोध में सड़क पर लगाया जाम

दुमका। आदिवासी युवक की पिटाई के विरोध में गुरुवार को प्राइवेट बस स्टैण्ड के सामने युवाओं की टोली ने लगभग चार घंटे तक रोड पर जाम लगा दिया। युवाओं को समझाने में पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। मामला 15 अगस्त की शाम का है। आनंद जीजा के साथ बाइक से बाजार जा रहा था। बस स्टैंड के सामने ओम ट्रेवल्स की एक बस बीच सड़क पर खड़ी थी जबकि कुछ लड़के बस के आगे खड़े होकर चालक के साथ बहस कर रहे थे। कहा जा रहा है कि बहस करने वाले लड़के की बाइक में बस से ठोकर लग गयी थी। इस बीच आनंद ने बस चालक को बस किनारे लगाने को कहा। आरोप है कि बस से कुछ कर्मी उतरे और आनंद को बेरहमी से पीट दिया।

आनंद के जीजा मदद के लिए चिल्लाते रहे लेकिन कोई सामने नहीं आया। वे नगर थाना पहुंचे लेकिन वहां से भी उसे समय पर मदद नहीं मिला। युवाओं ने नगर थाना पर भी लापरवाही का आरोप लगाया। युवाओं का आरोप है कि जब आनंद लिखित शिकायत देने थाना पहुंचा तो उसे दूसरे दिन आने को कहा गया। जब दूसरे दिन पहुंचा तो पिटाई करने वालों का नाम पता के साथ आने को कहा गया।

सूचना मिलते ही नगर थाना प्रभारी अरविंद कुमार दलबल के साथ बस स्टैंड पहुंचे। युवाओं को समझाने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। अंत में लिखित शिकायत के आधार पर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिया गया।

रिम्स में स्ट्राइक से 28 लोगों की मौत मामले में जांच कमेटी को रिपोर्ट सौंपने के लिए मिले चार हफ्ते

रांची। झारखंड हाई कोर्ट में रिम्स में 01 जून, 2018 को एक मरीज की मौत के बाद परिजनों के बवाल के खिलाफ जूनियर डॉक्टर और नर्स की स्ट्राइक में 28 मरीजों की हुई मौत के मामले की सुनवाई हुई। कोर्ट ने मामले की जांच कमेटी को रिपोर्ट सौंपने के लिए चार सप्ताह की अवधि का विस्तार दिया है।

सुनवाई के दौरान गुरुवार को राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि वन मैन कमेटी की रिपोर्ट अब तक तैयार नहीं हो सकती हो सकी है। इसलिए चार सप्ताह का समय और दिया जाए। मामले की अगली सुनवाई 27 सितंबर को होगी। याचिकाकर्ता की ओर से वरीय अधिवक्ता मुख्तार खान ने पैरवी की। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्र की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने गुरुवार को मामले की सुनवाई की।

उल्लेखनीय है कि दायर याचिका में याचिकाकर्ता झारखंड छात्र संघ ने कमेटी बनाकर मामले की जांच करने एवं घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ एक्शन लेने का आग्रह कोर्ट से किया था। कोर्ट ने पूर्व में मामले की जांच के लिए गठित रिटायर्ड प्रधान जिला जज सज्जन कुमार दुबे की अध्यक्षता वाली वन मैन कमेटी को तीन माह में रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया था।

राजेंद्र साहू हत्याकांड के खिलाफ पलामू में तैलिक समाज का प्रदर्शन, डीसी-एसपी को सौंपा ज्ञापन

पलामू। लातेहार जिले के बालूमाथ के व्यवसायी सह भाजपा नेता राजेंद्र प्रसाद साहू की हत्या के विरोध में गुरुवार को अखिल भारतीय तैलिक समाज ने रैली निकालकर प्रदर्शन किया। जेलहाता स्थित रमाडा होटल से समाज के लोग रैली निकालकर समाहरणालय पहुंचे। यहां मुख्यमंत्री के नाम डीसी-एसपी को अलग-अलग छह सूत्री ज्ञापन सौंपा गया।

तैलिक समाज के प्रमंडलीय अध्यक्ष रामदास साहू ने कहा कि राजेंद्र प्रसाद साहू की गत 13 अगस्त को अपराधियों ने गोली मारकर कर दी। इससे पूरे झारखंड के तैलिक साहू समाज भयभीत हैं तथा अपने व्यवसाय बंद कर पलायन करने का मन बना लिया है। समाज में काफी आक्रोश व्याप्त है। उन्होंने इस कांड की सीबीआई से जांच करने का आग्रह किया।

सौंपे गए ज्ञापन में हत्याकांड की सीबीआई से जांच कराने, अपराधियों को शीघ्र गिरफ्तार करने, मृतक के परिजनों को उचित सुरक्षा व्यवस्था मुहैया कराने, मृतक के पुत्र-पुत्री को सरकारी नौकरी देने, झारखंड के सभी चर्चित व्यवसायियों को सुरक्षा मुहैया कराने आदि शामिल हैं।प्रदर्शन में पलामू जिला अध्यक्ष लल्लन साहू, सचिव अजय साहू, राजदेव साहू, राजा गुप्ता, कन्हाई साहू, सुरेश साहू, बिहारी साहू, गंगा साहू, अवध किशोर साहू, सत्येंद्र साहू, विश्वनाथ साहू, बबन साहू, बच्चन साहू, मनोज साहू, दिनेश प्रसाद गुप्ता, रमेश साहू, अरविंद गुप्ता, महेंद्र प्रसाद साहू, सुमन गुप्ता, रूपवती देवी सहित हजारों लोग शामिल थे।

सार-संक्षेप

दीपक प्रकाश ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र, परियोजनाओं पर अमल की मांग की

रांची। राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गुरुवार को पत्र लिखा। रांची जिला अंतर्गत सिल्ली के पास प्रस्तावित हाइडल पावर प्रोजेक्ट सहित राढू जलाशय परियोजना पर कार्य प्रारंभ करने की मांग की।

पत्र में लिखा है कि हाइडल पावर प्रोजेक्ट सहित राढू जलाशय योजना के सर्वेक्षण और डीपीआर के निर्माण के लिए कंसलटेंट का कार्य 10 वर्ष पूर्व ही आवंटित किया गया था। उसका भुगतान भी हो चुका है लेकिन योजना का निर्माण अबतक प्रारंभ नहीं हुआ है। प्रकाश ने जनमानस को ध्यान में रखते हुए हाइडल पावर प्रोजेक्ट सहित राढू जलाशय योजना का कार्य निर्माण के लिए शीघ्रातिशीघ्र यथा आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। /चंद्र प्रकाश

उल्लेखनीय है कि इस हाइडल पावर प्रोजेक्ट राढू जलाशय के बन जाने से लोगों को सस्ती दर में बिजली, सिंचाई की सुविधा के साथ साथ लोगों को पेयजल की सुविधा मिलेगी।

डीजीपी ने एचआरएमएस पर पुलिसकर्मियों का डाटा उपलब्ध कराने का दिया निर्देश

रांची। डीजीपी अजय कुमार सिंह ने मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) पर पुलिसकर्मियों का डाटा उपलब्ध कराने को कहा है। गुरुवार को पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार इस संबंध में सभी जोनल आईजी, रेंज के डीआईजी,जिले के एसएसपी, एसपी और सभी वाहिनी के कमांडेंट को पत्र लिखा गया है। लिखे गये पत्र में कहा गया है कि एचआरएमएस पर पुलिसकर्मियों को समय-समय पर विभिन्न बिंदुओं पर डाटा अपलोड किए जाने के लिए पुलिस मुख्यालय से निर्देश जारी किया जाता रहा है।

वर्तमान में जिला, वाहिनी और इकाई स्तर पर एचआरएमएस पोर्टल पर डाटा अपडेट नहीं होने से इस पोर्टल के डिफरेंट मॉड्यूल का काम नहीं हो पा रहा है। भविष्य में सभी जिला, वाहिनी और इकाई में एचआरएमएस में उपलब्ध डाटा के आधार पर ही पुलिसकर्मियों की प्रोन्नति, एसीपी और एमएसीपी से संबंधित मनोनयन तैयार किया जाये, जिससे पुलिस मुख्यालय स्तर पर इसका मिलान और समीक्षा की जा सके।

बागेश्वर धाम के आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री नवंबर में आएंगे रांची

रांची। बागेश्वर धाम के आचार्य धीरेंद्र शास्त्री नवंबर में रांची आएंगे। झारखंड के संन्यासी बाबा सेवा समिति के अध्यक्ष राजीव कुमार ने कहा कि बाबा बागेश्वर धाम के आचार्य धीरेन्द्र शास्त्री का नवम्बर माह में रांची के प्रभात तारा मैदान में हनुमत कथा का आयोजन किया जाएगा।

राजीव ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि इस कथा में अर्जी स्वीकार्य होने पर महाराज से लोग स्वयं समाधान ले सकेंगे। इस हनुमंत कथा के कार्यक्रम में जुड़ने और यजमान बनने के लिए सभी 9263854901/02/03/ 04/05 से सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रेस कांफ्रेंस में मुख्य रूप से समिति के उपाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा, सचिव भवानी कुमार, कोषाध्यक्ष नंदकिशोर, शंकर तिवारी, सूरज कुमार, संदीप दुबे, दीवाकर कुमार, रोहित मिश्रा, धीरज कुमार, संदीप मिश्रा भैरव सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री निःशुल्क आवासीय कोचिंग का करेंगे उद्घाटन

रांची। डॉ. रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान के सभागार में गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन निःशुल्क आवासीय कोचिंग का उद्घाटन करेंगे।

इस कोचिंग के माध्यम झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा आयोजित की जाने वाली विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं को लेकर झारखंड के अति संवेदनशील जनजातीय समुदाय के युवक-युवतियों के लिए सीएम निःशुल्क आवासीय कोचिंग का उद्घाटन करेंगे।

जमीन घोटाले के आरोपित तल्हा खान की जमानत याचिका पर सुनवाई

रांची। जमीन घोटाले के आरोपित तल्हा खान की जमानत याचिका पर गुरुवार को ईडी कोर्ट में सुनवाई हुई। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की अदालत ने विस्तृत बहस सुनने के लिए 19 अगस्त की तिथि निर्धारित की है।

तल्हा खान की ओर से अधिवक्ता विक्रांत सिन्हा ने बहस की जबकि ईडी की ओर से विशेष लोक अभियोजक शिव कुमार ने बहस की। तल्हा खान पर सेना के कब्जे वाली जमीन सहित रांची के अलग-अलग इलाकों में विवादित भूमि की फर्जी दस्तावेजों के आधार पर खरीद-बिक्री में शामिल होने का आरोप है। तलहा खान को ईडी ने अप्रैल में गिरफ्तार किया था।

रांची के कचहरी सर्किट हाउस में लगी आग

रांची। लालपुर थाना क्षेत्र के कचहरी स्थित सर्किट हाउस में गुरुवार दोपहर आग लग गयी। शॉर्ट सर्किट होने की वजह से आग लगी है। इस घटना में कितना नुकसान हुआ है, इसका पता नहीं चल पाया है। आग सर्किट हाउस के निचले फ्लोर पर लगी थी। आग लगने से वहां अफरा-तफरी मच गयी।

मौके पर मौजूद कर्मियों ने इसकी जानकारी पुलिस और अग्निशमन विभाग को दी। सूचना पाकर दमकल की गाड़ी पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

थाना प्रभारी आदिकांत महतो ने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। आग लगी में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

राज्य का मुखिया ही यदि फ्रॉड है तो कैसे होगा राज्य का भला : बाबूलाल मरांडी

साहिबगंज। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने गुरुवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के विधानसभा क्षेत्र से संकल्प यात्रा शुरू किया। बरहेट की संकल्प सभा में मरांडी ने सोरेन परिवार पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जिस राज्य का मुख्यमंत्री ही फ्रॉड हो उससे राज्य के भलाई, भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने की उम्मीद भला कैसे की जा सकती है। उन्होंने कहा कि सोरेन परिवार ने नाम बदल बदल कर आदिवासियों की जमीन लूटी है। शिबू सोरेन को शिव सोरेन बना दिया। हेमंत सोरेन

हेमंत कुमार सोरेन बन गए। दुर्गा सोरेन को दुर्गा प्रसाद सोरेन बना दिया और बसंत सोरेन बसंत कुमार सोरेन बन गए। ऐसे फ्रॉड से राज्य का विकास कैसे होगा।

मरांडी ने कहा कि आज खान खनिज की लीज संथाल परगना और झारखंड के लोगों को नहीं, बल्कि राज्य के मुखिया हेमंत सोरेन, उनकी पत्नी कल्पना सोरेन, उनके विधायक प्रतिनिधि और प्रेस सलाहकार के नाम आवंटित हो रहे हैं। भाजपा से भी बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, रघुवर दास प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे। क्या, किसी ने आदिवासी की जमीन लूटी है?

मरांडी ने कहा कि हेमंत सरकार गरीबों का अनाज भी लूट रही है। केंद्र सरकार से भेजे जा रहे प्रति व्यक्ति पांच किलो चावल गरीबों के घर तक नहीं पहुंच रहे। संथाल परगना के हालात पर चिंता व्यक्त करते हुए मरांडी ने कहा कि आज पूरा संथाल परगना बांग्लादेशी घुसपैठियों से भरा पड़ा है। राज्य सरकार की तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति का परिणाम है कि संथाल परगना के विभिन्न जिलों में घुसपैठियों को सुनियोजित तरीके से बसाया जा रहा है। उनके राशन कार्ड और आधार कार्ड बनवाए जा रहे हैं।

बरहेट की संकल्प यात्रा में विधायक अनंत ओझा, अमित मंडल, सांसद सुनील सोरेन, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अभयकांत प्रसाद, जिला अध्यक्ष राम दरश यादव, पूर्व मंत्री लुइस मरांडी आदि उपस्थित थे।

समता नगर में जलापूर्ति का पाइप तीन वर्षों से क्षतिग्रस्त लाखों लीटर हो रहा है पानी बर्बाद

कुंभकरणीय निद्रा में सोया हुआ है पी एच डी विभाग : विकास सिंह

जमशेदपुर/संवाददाता। मानगो जवाहर नगर रोड नंबर 15 के गैस गोदाम के समीप समता नगर के प्रवेश पथ के समीप लगभग तीन वर्षों से पेयजल आपूर्ति योजना की सप्लाई वाली पाइप क्षतिग्रस्त हो गई है लाखों लीटर पानी सड़क पर बह कर बर्बाद हो रहा है । स्थानीय लोगों ने भाजपा नेता विकास सिंह को बुलाकर समस्या से अवगत कराते हुए बताया कि तीन वर्षों में हम लोगों ने कई पत्राचार किया कई बार मौखिक रूप से बगल में ही स्थित वाटर फिल्टर प्लांट में जाकर इसकी शिकायत किए लेकिन हम लोगों की बात कोई नहीं सुन रहा है लगातार सड़क में पानी बहने के कारण सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया है । लाखों लीटर पानी प्रतिदिन बर्बाद होता है इसके साथ ही ऊंचाई वाले स्थान में पानी की सप्लाई सही तरीके से नहीं होती है जिसके लिए लोगों को पानी की दिक्कत भी लगातार हो रही है विद्यालय जाने वाले बच्चों का कपड़ा पानी के छींटे से खराब हो जाता है जिससे विद्यालय में शिक्षक के द्वारा उन्हें डांटा और फटकारा जाता है । स्थानीय लोगों में आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि चार वर्ष हो गए स्थानीय विधायक क्षेत्र में एक बार भी झांकने तक नहीं आए क्षतिग्रस्त पाइप होने की शिकायत हम सभी ने स्थानीय विधायक सह स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता के कार्यालय में जाकर किया था वहां से उनके कार्यकर्ता और नेतागण मौके में आए जरूर थे लेकिन केवल फोटोग्राफी अपना करवा कर चले गए कुछ भी कार्य नहीं हुआ स्थानीय लोगों को भाजपा नेता विकास सिंह ने कहा की एक सप्ताह के अंदर अगर पेयजल स्वच्छता विभाग के द्वारा क्षतिग्रस्त पाइप का मरम्मत का कार्य नहीं कराया गया तो हम सभी बस्ती वासी आपस में पैसा इकट्ठा करके इसका मरम्मत स्वयं करवाने का कार्य करेंगे । ओके में मुख्य रूप से विकास सिंह, संदीप शर्मा ,जगन यादव ,महेश प्रसाद, अश्वनी सिंह, राजेश शर्मा, मोनू भगत, राकेश सिंह, महेंद्र साहू, धर्मेंद्र पांडे सहित स्थानीय लोग उपस्थित थे।

शहीद भोला प्रसाद सिंह की प्रतिमा स्थापित कर स्मारक निर्माण हेतु रखी गई आधारशिला

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

ठाकुर गंगटी । शौर्य चक्र प्राप्त शाहिद भोला प्रसाद सिंह की आदमकद प्रतिमा स्थापित कर एक भव्य स्मारक निर्माण हेतु सैकड़ों लोगों की उपस्थिति में उनके पैतृक गांव चांदा में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विधि-विधान पूर्वक आधारशिला रखी गई।

बताते चलें शहीद भोला प्रसाद सिंह चांदा के स्वर्गीय भुवनेश्वर प्रसाद सिंह के पांच पुत्रों में दूसरे नंबर पर थे। 1968 ईस्वी में वह भारतीय सेना में सम्मिलित हुए थे और 1971 के बांग्लादेश की लड़ाई में भाग लिया था। फिर 1972 में जब पटना में भयानक बाढ़ आया तो भारत सरकार द्वारा वहां सेना को उतारा गया था और भोला प्रसाद सिंह भी बाढ़ में उतारे गए सेना की टुकड़ी में शामिल थे। इसी दौरान बिहार सरकार के तत्कालीन मंत्री लहटन चौधरी और कई अन्य वीआईपी लोगों से सवार एक नाव को बाढ़ के दरम्यान बचाने के क्रम में पानी में गिरे एक बिजली की तार की चपेट में आ जाने से शहीद हो गए थे। उनको इस कारनामे के लिए भारत सरकार द्वारा मरणोपरांत शौर्य चक्र दिया गया। उन्हें कीर्ति चक्र भी प्राप्त हुआ था। 1975 ईस्वी में गणतंत्र दिवस के अवसर पर उनकी विधवा मीनू देवी को तत्कालीन राष्ट्रपति फखरुद्दीन अली अहमद के हाथों शौर्य चक्र दिया गया। इस अवसर पर मीनू देवी बहुत भावुक हो गई थी तब देश की प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी ने उन्हें गले लगाकर धाड़स बंधाया था।

स्वर्गीय भोला प्रसाद सिंह उच्च कोटि के गायक और बहु प्रतिभा आयामी व्यक्ति थे। उनके नाम पर थल सेना की छावनी हिंसार और झांसी में उनके नाम से भवन बनाया गया है जिस भवन का उद्घाटन करने सेना द्वारा शहीद भोला प्रसाद सिंह के भाइयों और परिजनों को बुलाया गया था जहां आज भी उनके नाम का शिलापट लगा हुआ है।

शाहिद भोला प्रसाद सिंह के मृत्यु के उपरांत दो माह बाद उनकी पत्नी ने एक पुत्री को जन्म दिया था परंतु अब उनकी विधवा और पुत्री भी इस दुनिया में नहीं रही। केवल उनके भाई ही हैं जिनके द्वारा स्मारक बनाने की विचार दी गई। इसके बाद शाहिद भोला प्रसाद सिंह के भांजे एनसीपी नेता गोपाल सिंह द्वारा चंदा और आसपास के गणमान्य लोगों के साथ बैठकर मंत्रना हुई और उनके पैतृक गांव चंदा में उनका भव्य स्मारक निर्माण कर आदमकद प्रतिमा स्थापित करने का विचार आया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर मंगलवार को चांदा में उनका एक बड़ा कट आउट लगाकर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया तथा सैकड़ो लोगों की उपस्थिति में विधि विधान पूर्वक उनके अग्रज भ्राता नीलकंठ प्रसाद सिंह और वशिष्ठ प्रसाद सिंह द्वारा आधारशिला रखी गई। इस अवसर पर कई लोगों ने अपने विचार रखें उनके जीवन पर प्रकाश डाला। जब उनके जीवन की कहानी बताई जा रही थी तो लोगों के आंखें नम हो गई और लोगों ने काफी देर तक भोला सिंह अमर रहे जब तक सूरज चांद रहेगा भोला सिंह का नाम रहेगा नारे लगाए।

इस अवसर पर उनके कुछ सहपाठी मित्र तथा उनके साथ ही सेना में सामिल होने वाले पूर्व सैनिक के साथ ही बड़ी संख्या में अन्य लोग उपस्थित थे जिनमे गोपाल सिंह मनोज सिंह बलभद्र सिंह चंदा पंचायत के मुखिया अवधेश कुमार ठाकुर पूर्व पंचायत समिति सदस्य रंजन सिंह, उमाकांत मंडल, सुभाष यादव, रामचंद्र पासवान, आदि सैकड़ों लोग शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

20 सूत्री उपाध्यक्ष मोहन कर्मकार कर्मकार के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल डीसी से मिला

जमशेदपुर। जिला दण्डाधिकारी- सह- उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री से 20 सूत्री उपाध्यक्ष श्री मोहन कर्मकार ने प्रतिनिधिमंडल के साथ मुलाकात किया। 20 सूत्री से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण बिंदुओं पर उन्होंने उपायुक्त का ध्यान आकृष्ट कराते हुए बताया कि प्रखंड स्तरीय 20 सूत्री सदस्यों का पुलिस सत्यापन नहीं हुआ है, इसपर उपायुक्त ने सम्बन्धित पदाधिकारी को यथोचित कार्रवाई का निर्देश दिया। वहीं प्रखंड स्तरीय 20 सूत्री समिति की बैठक भी नियमित आयोजित करने का निर्देश दिया गया। मौके पर 20 सूत्री सदस्य श्री प्रमोद लाल व अन्य उपस्थित थे।

जेम्को बस्ती मिश्रा बागान में हो रहे जलजमाव से आम जनता परेशान

जमशेदपुर। मिश्रा बागान रोड नंबर 1 के समीप हो रहे जल जमाव से आम जनता परेशान और जल जमाव के कारण सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं। और बस्ती वासियों का कहना है कि डेंगू का भी खतरा जल जमाव होने के कारण बन रहा है। जिसमें आमने-सामने घरों को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। पर इसमें किसी की भी नजर नहीं है। इस सम्बन्ध में करनदीप सिंह सैनी ने कहा कि मैं सरकार से गुजारिश करता हूं की इस रोड में भी ध्यान दिया जाए। जिसमें बस्ती वासियों को दिक्कत का सामना ना करना पड़े। और जलजमाव के लिए कुछ समस्या का समाधान किया जाए।

टोयोटा ने एमपीवी श्रृंखला की ऑल न्यू टोयोटा रुमियन लॉन्च की

जमशेदपुर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने अपनी नवीनतम पेशकश, ऑल न्यू टोयोटा रुमियन लॉन्च करने की घोषणा की। यह एक नई कॉम्पैक्ट एमपीवी है जो स्टाइलिश और प्रीमियम नई पारिवारिक कार है और स्थान के मामले में बेजोड़ है तथा उत्कृष्ट ईंधन दक्षता का दावा करती है। ऑल न्यू टोयोटा रुमियन आराम, सुविधा, विश्वसनीयता और मन की शांति चाहने वाले परिवारों के लिए एक प्रतिष्ठा और सुविधाजनक विकल्प प्रस्तुत करता है।

ऑल न्यू टोयोटा रुमियन के केंद्र में नियो ड्राइव (आईएसजी) तकनीक और ई-सीएनजी तकनीक के साथ शक्तिशाली के सीरीज का 1.5-लीटर पेट्रोल इंजन है जो प्रतिक्रियाशील होने के साथ-साथ ड्राइविंग में आनंद लाने का वादा करता है। इसका पेट्रोल रूपांतर एक लीटर में 20.51 किलोमीटर चलता है जबकि एक लीटर सीएनसी से यही गाड़ी 26.11 किलोमीटर प्रति किलोमीटर चलती है। ऑल न्यू टोयोटा रूमियन एस एमटी/एटी, जी एमटी, और वी एमटी/एटी, एस एमटी सीएनजी के छह वेरिएंट में उपलब्ध होगा, जो ग्राहकों के लिए विकल्पों की एक विस्तृत रेंज पेश करेगा।

टीकेएम के प्रबंध निदेशक और चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ), मासाकाजु योशिमुरा ने कहा, 'टोयोटा में, हम विश्व स्तरीय वाहन देने से कहीं आगे जाने में विश्वास करते हैं। ऑल न्यू टोयोटा रुमियन इस लोकाचार को अपनाता है और हम आनंददायक स्वामित्व अनुभव के माध्यम से ग्राहकों के एक पूरे नए समूह को गुणवत्ता और सेवा के प्रति टोयोटा की प्रतिबद्धता की पेशकश करने के लिए तत्पर हैं.

अतुल सूद, वाइस प्रेसिडेंट - बिक्री और रणनीतिक विपणन, टीकेएम ने कहा, 'ऑल न्यू टोयोटा रुमियन की शुरूआत टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के लिए बहुत उत्साह का समय है और हम अपने बढ़ते परिवार में एक नए सदस्य का स्वागत करते हुए रोमांचित हैं।'

- **डॉ रामदयाल मुंडा जनजातीय कल्याण शोध संस्थान, मोरहाबादी, रांची में अत्यंत संवेदनशील आदिवासी समुदाय (पीवीटीजी) के युवक-युवतियों के लिए विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी हेतू निःशुल्क आवासीय कोचिंग का शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन।**

- **साउथ के सुपर स्टार रजनीकांत अपनी फिल्म जेलर की अपार सफलता के बाद अपने आध्यात्मिक गुरु की धरती को नमन करने रांची पहुंचे।**
- **रजनीकांत की गुरु परमहंस योगानंद पर गहरी आस्था है**
- **उन्होंने रांची में योगदा आश्रम की स्थापना की थी। यहां योगदा सत्संग सोसायटी का मुख्यालय भी है।**

रामगढ़ः मां छिन्नमस्तिका मंदिर पहुंचे साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत

देश के प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां छिन्नमस्तिका मंदिर में आज १७ अगस्त को देश के प्रसिद्ध और साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत ने पूजा अर्चना किया। साउथ के सुपरस्टार रजनीकांत के रजरप्पा आगमन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की गई थी। आगमन को लेक- र रामगढ़ पुलिस अधीक्षक पीयूष पांडे स्वयं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मुस्तैद दिखे। मां छिन्नमस्तिका के मंदिर में लगभग १ घंटे तक विशेष पूजा अर्चना कर मां भगवती से आशीर्वाद प्राप्त किया। पूजा अर्चना का कार्य रजरप्पा मंदिर समिति के सचिव सुभाशिष पंडा के देखरेख में संपन्न हुआ। रजरप्पा आगमन को लेकर रजनीकांत ने मीडिया से कहा कि मां भगवती का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आया हूं। मां भगवती से देश में अमन शांति के लिए मां से प्रार्थना किया हूं। इस दौरान रजनीकांत के आगमन की सूचना फ्रेंस को मिलते ही रजनीकांत के फ्रेंस की भीड़ उमड़ पड़ी। साउथ के सुपर स्टार रजनीकांत रांची से सड़क मार्ग द्वारा रजरप्पा मंदिर पहुंचे। मंदिर में पहुंचने के बाद उन्होंने माता की शांति से पूजा अर्चना किया।

बेबी देवी के समर्थन में मुख्यमंत्री ने सभा को किया सम्बोधित

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

डुमरी। इंडिया गठबंधन के झामुमो उम्मीदवार सह सूबे के मंत्री बेबी देवी के समर्थन में गुरूवार को केबी हाई स्कूल डुमरी के मैदान में आयोजित नामांकन सभा में उपस्थित जनसमूहों को संबोधित करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि सरकार झारखंड वासियों के लिए पूरी प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है लेकिन केन्द्र सरकार हमेशा अडंगा लगाते रहती है।उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार बेबी देवी को मंत्री बना कर मैनें अपने दायित्वों का निर्वहन किया है लेकिन अब बारी आपसबों की है इसलिए आप इस उपचुनाव में अपना बहुमूल्य वोट बेबी देवी को देकर भारी मतों से विजयी बनाकर मेरे उस दायित्व को सिद्धि में बदल दें।कहा कि सरकार राज्य के गरीबों उत्थान के लिए पूरी तन्मयता से जूटी है।कहा कि यदि इंडिया गठबंधन के उम्मीदवार विजयी होती है तो विधानसभा क्षेत्र में विकास की गति और तेज होगी जबकि यदि एनडीए गठबंधन की उम्मीदवार चुनाव जीतती है तो विकास अवरुद्ध हो जाएगा क्योंकि एनडीए का काम ही सिर्फ उन्माद फैला कर विकास को अवरुद्ध करना है जबकि उम्मीदवार बेबी देवी ने उपस्थित लोगों से अपने पक्ष में मतदान करने की अपील करते हुए कहा कि यदि वह विजय होती है तो अपने पति दिवंगत जगरनाथ महतो के अधूरे कार्यों को पूरा करेंगी।अध्यक्षता झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राजकुमार महतो राजू व संचालन कारी बरकत अली ने किया।सभा को मंत्री बादल पत्रलेख मंत्री सत्यानंद भोक्ता मंत्री हफीजूल हसन विधायक मधुरा महतो,डा सरफराज अहमद,सुदिव्य सोनू,बिनोद सिंह पूर्व विधायक निजामुद्दीन अंसारी,योगेन्द्र महतो राजकुमार यादव व जलेश्वर महतो विधायक जयमंगल सिंह आदि ने संबोधित कर बेबी देवी को जिताने की अपील की।

बज्र पात से एक किसान घायल, टीएम एच में भर्ती

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

ईचागढ़ । सरायकेला खरसावां जिला के ईचागढ़ प्रखंड क्षेत्र के किष्टोपुर में अपने खेत पर काम कर मबेसीयों को चराने के क्रम में झमाझम बारिश के साथ बज्र पात होने से करीब 55 वर्षीय किसान राम पद महतो गंभीर रूप से घायल हो गया है। परिजनों ने तत्काल उसे बेहतर इलाज हेतु टाटा मैन अस्पताल जमशेदपुर ले गया, जहां उसका इलाज किया चल रहा है। मिली जानकारी के अनुसार राम पद महतो अपने खेत में हल जोतकर मबेसीयों को चरा रहे थे,तभी अचानक झमाझम बारिश के साथ गर्जन के साथ बज्र पात हुआ , जिससे वह गंभीर रूप से घायल होकर मुर्छित अवस्था में गीर गया। सुचना मिलते ही परिजनों ने उसे तत्काल जमशेदपुर ले गया एवं टीएम एच में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि घायल का स्थिति गंभीर है।

विधानसभा अध्यक्ष से विधायक सरयू राय ने कई बिन्दुओ पर जानकारी देकर माँगा जबाव

झारखंड देखो/प्रतिनिधि।

जमशेदपुर /रांची। जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने झारखंड विधानसभा अध्यक्ष को जानकारी देते हुए कई बिंदुओं पर जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि झारखण्ड विधान सभा के द्वादश (मानसून) सत्र-2023 में दिनांक 01.08.23 को पूछे जाने वाले मेरे प्रश्न संख्या-अ.सू.14 का गलत एवं भ्रामक उत्तर देकर सदन को गुमराह करने के लिए वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के संबंधित अधिकारी तथा झारखण्ड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के अध्यक्ष एवं सदस्य सचिव के उपर सदन की अवमानना की कार्रवाई चलाने के संबंध में

विधान सभा के द्वादश (मानसून) सत्र-2023 में दिनांक 01.08.2023 को मेरे अल्पसूचित प्रश्नोत्तर की प्रति संलग्न है (अनुलग्नक-1)। इस प्रश्न का लिखित उत्तर वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखंड सरकार के पत्रांक 2920, दिनांक 31.07.23 द्वारा सदन पटल पर दिया गया है। विधानसभा की कार्यवाही नहीं चलने के कारण इस पर वाद-विवाद नहीं हो सका। अफसोस है कि वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा मे- रे प्रश्न का दिया गया उत्तर पूर्णतः गलत और भ्रामक है।

भुरकुण्डा रेलवे साईडिंग के संबंध में मैंने अपर मुख्य सचिव, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को एक पत्र, पत्रांक-आ. का.(व.प.)/38/182, दिनांक 16.06.2023 (अनुलग्नक-2) लिखा था, जिसकी प्रतिलिपि अध्यक्ष, झारखण्ड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद को भी दिया था। चांडिल रेलवे साईडिंग के संबंध में अध्यक्ष, झारखण्ड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद को एक पत्र, पत्रांक-आ.का.(व.प.)/38/181, दिनांक-15.06.2023 (अनुलग्नक-3) के माध्यम से सूचना दिया था और आवशयक कार्रवाई करने का अनुरोध किया था। इसके बावजूद विभाग द्वारा इस तरह का गलत एवं भ्रामक उत्तर सदन पटल पर रखा जाना विधानसभा की अवमानना है तथा सही उत्तर प्राप्त करने के विधानसभा सदस्य के विशेषाधिकार का हनन है।

मेरे प्रश्न की कंडिका-1 के उत्तर में विभाग ने चांडिल और भुरकुण्डा रेलवे प्लेटफॉर्मों पर साईडिंग स्थापना को नियमतः सही बताया है और कहा है कि ''14 मार्च, 1990 के पूर्व स्थापित उद्योगों को अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्राप्त करने से मुक्त रखा गया है। यह एक हरी श्रेणी की इकाई है। स्थापना नियमतः सही है।'' वस्तुस्थिति यह है कि कोई भी उद्योग जो 1990 के पूर्व स्थापित किया गया है अथवा हरित श्रेणी में है, उसको स्थापना एवं परिचालन अनुमति (उळए & उळड) से छूट नहीं दी गई है। क्या विभाग के इस जवाब का मतलब है कि चांडिल और भुरकुण्डा रेलवे स्टेशन और यहाँ रेलवे साईडिंग बिना स्थापना एवं परिचालन की सहमति के संचालित हो रही है ? भुरकुण्डा रेलवे साईडिंग के संबंध में झारखण्ड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद ने जो उत्तर दिया है वह पर्षद के ही पत्रांक-05, दिनांक-04.05.2011 (संलग्न, अनुलग्नक-4) और पत्रांक बी-8, दिनांक 22.05.2013 (संलग्न, अनुलग्नक-5) के निर्देशों के विपरीत है। पर्षद का पत्रांक बी-8, दिनांक 22.05.2013 में स्पष्ट उल्लेख है कि किसी भी उद्योग/साईडिंग की स्थापना निम्नांकित मानदण्ड के अनुरूप होगीः-

क्र. स्थल रेलवे साईडिंग से न्यूनतम दूरी

1. नेशनल हाईवे/स्टेट हाईवे 100 मीटर, 2. स्कूल/कॉलेज/अस्पताल/पुरातत्व स्थल 500 मीटर 3. नदी/झील/तालाब 100 मीटर, 4. आबादी 100 मीटर (कोई आबादी नहीं),5. वन 200 मीटर,6. रेलवे लाईन 50 मीटर।

चांडिल और भुरकुण्डा रेलवे साईडिंग स्थापना के मामले में इन मानदंडों की घोर अवहेलना हुई है। गूगल अर्थ मैप से अथवा स्थल निरीक्षण से इसकी तस्दीक की जा सकती है।

दिनांक 04.05.2011 की अधिसूचना में अंकित है कि ''पर्षद मंडल की 22वीं बैठक दिनांक 19.04.2011 के कार्यावली संख्या-7 में लिए गए निर्णय के आलोक में रेलवे साईडिंग, जहाँ पर रेलवे का स्वामित्व है, के एन. ओ.सी./सहमति के लिए आवेदन पत्र, रेलवे द्वारा जमा करने पर ही पर्षद में स्वीकार किये जायेंगे। पर्षद द्वारा रेलवे साईडिंग का एन. ओ.सी./सहमति आदेश रेलवे को निर्गत किया जायेगा। किसी बा' एजेंसी को रेलवे साईडिंग के लिए एन.ओ.सी./सहमति आवेदन पत्र पर्षद में स्वीकार एवं प्रदान नहीं किए जायेंगे।'' परन्तु भुरकुण्डा रेलवे साईडिंग के मामले में इन्होंने उळए/उळड मेसर्स गोदावरी कमोडिटिज लिमिटेड को दे दिया है, जो बा' एजेंसी है (एन.ओ.सी. की प्रति संलग्न, अनुलग्नक-6)।

प्रश्नोत्तर की कंडिका-2 के उत्तर में भी विभाग ने सदन को गुमराह किया है और कहा है कि कोयला का भंडारण पर्षद से सीटीओ प्राप्त क्षेत्र पर ही किया जाता है। भुरकुण्डा रेलवे साईडिंग के संबंध में दिनांक 05.12.2022 को जारी पत्र में पर्षद ने 71 डिसमिल क्षेत्रफल पर ही ब्ज्भ्ब्ज्ञ दिया है। स्थल पर जाने पर पता चलता है कि इससे कई गुना अधिक क्षेत्र पर कोयले का भंडारण किया हुआ है। प्रश्नोत्तर की कंडिका-2 में यह उल्लेख भी है कि आग लगने के दौरान वहाँ से कोयले को अन्य सुरक्षित जगह पर रखा गया है। क्या विभाग बताएगा कि वहाँ पर आग कब से कब तक लगी रही ? कोयला को कब सुरक्षित स्थल पर भंडारित किया गया ? जिस सुरक्षित जगह पर इसका भंडारण किया गया, उसके लिए पर्षद से उळए & उळड मिला या नहीं ?

प्रश्न की कंडिका-3 के उत्तर को सरकार ने चांडिल रेलवे साईडिंग के संबंध में आंशिक स्वीकारात्मक बताया है और भुरकुण्डा रेलवे साईडिंग के संबंध में अस्वीकारात्मक बताया है। सवाल है कि क्या इन दोनों स्थानों पर स्थापित रेलवे साईडिंग की दूरी पर्षद द्वारा निर्धारित उळए & उळड के उन मानदंडों के अनुरूप है, जिसका उल्लेख उपर्युक्त तालिका में हैं ? मैंने वहाँ जाकर देखा और पाया कि ऐसा नहीं है। इन मानदंडों का घोर उल्लंघन हुआ है।

विभाग ने अपने उत्तर में यह भी बताया है कि चांडिल और भुरकुण्डा दोनों ही साईडिंग स्थल के आसपास किसी के भी बीमार होने की सूचना नहीं है। परन्तु क्या इसके लिए वहाँ की आबादी का ''लंग्स फंक्शन टेस्ट'' कराया गया है ? क्या वहाँ के लोगों में साँस और पेट की बीमारियों के बारे में अधिकारिक सूचना प्राप्त की गई हैं ? मैं दावा के साथ कह सकता हूँ कि भुरकुण्डा और चांडिल रेलवे साईडिंग के 50 से 100 मीटर के भीतर बस्तियाँ बसी हुई हैं और प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालय भी हैं। इस सूचना को गूगल अर्थ से प्राप्त तस्वीरों से संपुष्ट किया जा सकता है। इस संबंध में अंग्रेजी में तैयार चार पृष्ठों का एक सचित्र प्रतिवेदन साथ में संलग्न कर रहा हूँ (अनुलग्नक-7), जिसमें वस्तुस्थिति का वर्णन है और जो स्वतः स्पष्ट है। चित्र गुगल अर्थ से प्राप्त किये गये है।

उपर्युक्त विवरण के आलोक में अनुरोध है कि गलत और भ्रामक उत्तर देकर सदन को गुमराह करने के लिए वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, झारखंड के जिम्मेदार अधिकारियों तथा झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण पर्षद के अध्यक्ष एवं सदस्य सचिव के विरूद्ध सदन की अवमानना की कार्रवाई करना चाहेंगे। साथ ही इस बारे में रामगढ़ और सरायकेला-खरसाँवा जिला के उपायुक्त एवं जिला खनन पदाधिकारी से भी एक स्पष्ट वक्तव्य की माँग करना चाहेंगे। इस विषय में रेल विभाग के अधिकारियों से भी वस्तुस्थिति पर एक स्वभारित प्रतिवेदन देने का निर्देश करना चाहेंगे।

भ्रष्टाचार मुक्त भारत का सपना, मोदी सरकार देश को खोखला करने वाले हर व्यक्ति और संस्था के खिलाफ कर रही कार्रवाई

मोदी सरकार भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ नया आनलाइन सिस्टम भी लागू कर चुकी है। इससे भ्रष्ट नौकरशाहों के खिलाफ कार्रवाई में ज्यादा तेजी आई है। पीएम मोदी ने एक बार साफ शब्दों में कहा था कि ''जो भ्रष्टाचार उन्मूलन के हमारे प्रयासों में बाधा बनते हैं वे अपना बैग पैक कर लें क्योंकि देश को ऐसे अफसरों की सेवाओं की आवश्यकता नहीं है।''

बृज लाल : स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक बार फिर कहा कि भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टीकरण जैसी कुरीतियां देश को खोखला कर रही हैं। भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है तो इन बुराइयों को जड़ से उखाड़ना ही होगा।

देखा जाए तो देश की सारी समस्याओं की जड़ भ्रष्टाचार है। अच्छी बात है कि भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टालरेंस की नीति अपनाते हुए मोदी सरकार हर उस व्यक्ति और संस्था के खिलाफ कार्रवाई कर रही है, जो भ्रष्टाचार के दीमक से देश को खोखला करने में जुटे हैं। मोदी सरकार 'भ्रष्टाचार मुक्त भारत' बनाने के लिए न सिर्फ भ्रष्ट राजनेताओं पर शिकंजा कस रही है, बल्कि अन्य रिश्वतखोर अधिकारियों के खिलाफ भी लगातार कार्रवाई कर रही है। सरकार ने लोकतंत्र और न्याय के रास्ते में रोड़ा बने ऐसे कई भ्रष्ट अफसरों को जबरन रिटायरमेंट देकर नौकरी से बेदखल तो किया ही है, साथ की कई भ्रष्ट आइएएस और आइपीएस अफसरों तक को जेल में पहुंचाया है।

कांग्रेस की अगुआई वाली पिछली यूपीए सरकार में कई घोटाले हुए। उनमें से एक कोयला ब्लाक आवंटन घोटाला भी था। मोदी सरकार के कार्यकाल में कार्रवाई की स्वतंत्रता मिली तो सीबीआइ ने कोयला घोटाले की पड़ताल की और दिल्ली की एक अदालत ने पूर्व कोयला सचिव एचसी गुप्ता समेत तीन अधिकारियों को तीन साल की सजा सुनाई। अदालत ने जिन दो अन्य अधिकारियों को सजा सुनाई, उनमें कोयला मंत्रालय के तत्कालीन संयुक्त सचिव केएस क्रोफा और तत्कालीन निदेशक केसी सामरिया शामिल हैं। अदालत ने अन्य दोषी व्यक्तियों विकास मेटल्स एंड पावर लिमिटेड (वीएमपीएल) के एमडी विकास पाटनी और इसके अधिकृत हस्ताक्षरकर्ता आनंद मलिक को चार साल की जेल की सजा सुनाई। सीबीआइ ने यूपीए-एक और यूपीए-दो के शासनकाल में कोयला ब्लाक आवंटन के 40 मामलों में अनियमितता के सिलसिले में आरोपपत्र दायर किया था। यह तो सिर्फ एक बानगी है। पिछले नौ साल में प्रशासनिक तंत्र के भ्रष्ट तत्वों के खिलाफ कार्रवाई इसलिए अंजाम तक पहुंच पा रही है, क्योंकि खुद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से जांच एजेंसियों को ऐसे अधिकारियों के खिलाफ ग्रीन सिग्नल मिला हुआ है। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के एक कार्यक्रम में कहा था कि 'भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने वाले सीवीसी जैसे सभी संगठन और एजेंसियों को रक्षात्मक होने की कोई जरूरत नहीं है। अगर देश की भलाई के लिए काम करते हैं तो अपराधबोध में जीने की आवश्यकता नहीं। देश के सामान्य जन के समक्ष जो मुसीबतें आ रही हैं, उन्हें उनसे मुक्ति दिलाना ही हमारा काम है।'

मोदी सरकार भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ नया आनलाइन सिस्टम भी लागू कर चुकी है। इससे भ्रष्ट नौकरशाहों के खिलाफ कार्रवाई में ज्यादा तेजी आई है। पीएम मोदी ने एक बार साफ शब्दों में कहा था कि ''जो भ्रष्टाचार उन्मूलन के हमारे प्रयासों में बाधा बनते हैं, वे अपना बैग पैक कर लें, क्योंकि देश को ऐसे अफसरों की सेवाओं की आवश्यकता नहीं है।'' प्रधानमंत्री का यह सोच जांच एजेंसियों के लिए भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने में उत्प्रेरक का काम कर रहा है। यही वजह है कि केंद्रीय जांच एजेंसियां भ्रष्टाचारियों को कहीं भी बख्श नहीं रही हैं।

यूपीए सरकार के समय सीबीआइ के हाथ किस कदर बांध दिए गए थे, इसका अंदाजा सर्वोच्च अदालत द्वारा की गई इस टिप्पणी से लगता है कि 'सीबीआइ तो पिंजरे में बंद ऐसा तोता बन गई है, जो अपने मालिक की बोली बोलता है।'

मार्ग-दर्शन

बुद्धिबल से लड़के ने कंजूस वृद्धा से भी निकाला काम

किसी गांव में एक वृद्धा रहती थी। उसकी कंजूसी के चर्चे पूरे गांव में थे। एक दिन एक लड़के ने उसे सबक सिखाने की सोची। वह वृद्धा के घर पहुंचा और उसने उसे बताया कि वह उसका दूर का रिश्तेदार है। वृद्धा ने रिश्तेदारी से इंकार किया, तो वह बोला – 'कुछ भी हो, बाहर बहुत बारिश हो रही है। आज की रात तो मुझे आपके यहां काटनी ही होगी।' वृद्धा ने मन मारकर स्वीकृति दे दी। फिर इस डर से कि लड़का भोजन न मांग बैठे, बोली – 'तुम रुक जाओ, किंतु मेरे घर में खाने के लिए कुछ नहीं है।' लड़के ने कहा – 'मुझे भूख तो बहुत लगी है अम्मा! किंतु मैं तुमसे कुछ नहीं मांगूंगा। मेरे पास जादू की एक छड़ी है। उसकी मदद से जब चाहूं, मैं खीर बना सकता हूं।' वृद्धा ने बहुत दिनों से खीर नहीं खाई थी, इसलिए उसने भी खीर खाने की इच्छा व्यक्त की। तब लड़के ने वृद्धा से एक बर्तन मांगा और बर्तन में पानी डालकर आग पर रख दिया और छड़ी वृद्धा को दिखाते हुए उसमें डाल दी। फिर उसे ढंक दिया। कुछ देर बाद उसमें कलछी घुमाई और नाक के पास लाकर सूंघते हुए कहा – 'बहुत ही स्वादिष्ट खीर बन रही है।' वृद्धा के मुंह में पानी आ गया। लड़का बोला – 'इसमें एक मुी चावल डल जाता, तो यह और स्वादिष्ट होती।' वृद्धा ने झट चावल दे दिए। थोड़ी देर बाद लड़के ने थोड़ा दूध शक्कर और इलायची मांगे और वृद्धा ने खीर के लालच में दे दिए। अब वृद्धा और लड़के ने साथ बैठकर स्वादिष्ट खीर खाई। वृद्धा ने इसे जादुई छड़ी का चमत्कार माना। सार यह है कि बुद्धिबल के द्वारा जटिल समय में अपना काम बनाया जा सकता है।

जीने की राह

जिस घर के केंद्र में मां प्रतिष्ठित है वहीं परमात्मा स्थापित है

घर घर नहीं है, वरन गृहिणी ही घर कही जाती है। यह बात महाभारत के शांति पर्व में व्यक्त की गई है। आज भारत के परिवारों में जिन-जिन बातों ने तेजी से प्रवेश किया है, उनमें से एक अशांति भी है। जो लोग चाहते हों कि हमारे गृहस्थ जीवन में शांति बनी रहे, उन्हें घर की स्त्रियों को समझना और सम्मान देना होगा। माता संबोधन में भारतीय घरों का अमृत भंडार भरा हुआ है। जिस घर के केंद्र में मां प्रतिष्ठित है, समझ लीजिए परमात्मा स्थापित है। दरअसल, जब-जब नारी स्वतंत्रता की बात की गई, हमने उसकी बाहरी प्रतिष्ठा पर ही ध्यान दिया। स्त्रियों ने भी इसे इसी रूप में लिया और इसीलिए घर से बाहर निकलने को ही नारी का विकास मान लिया गया, लेकिन घरों में स्त्री के आंतरिक विकास की जरूरत है, क्योंकि जीवन के कुछ महत्वपूर्ण सूत्र उन्हीं के हाथ में हैं और उनमें से एक है संतान को जन्म देना। शास्त्रों में स्पष्ट व्यक्त किया गया है कि भार्या पुरुष का आधा भाग व उसकी श्रेष्ठतम मित्र है। हमने स्त्रियों के बाहरी विकास को लेकर जागरूकता दिखाई, संघर्ष किए, लेकिन स्त्री अपने जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा संवेदनाओं के साथ भीतर से जीती है। जीवन जिस रस का नाम है, उसे क्रम से प्राप्त करना पड़ता है। प्रेमपूर्ण जीवन नारियों का सहज स्वभाव हो जाता है। इसको प्रेरित करने और बचाने के लिए स्त्रियों को ध्यान-योग के माध्यम से पहले शरीर की आवश्यकताएं पूरी करनी चाहिए, उसके बाद मन की ओर बढ़ें, फिर आत्मा तक चलें। चौथी अवस्था आती है आनंद की। देखा गया है माताएं-बहनें ध्यान-योग से कम जुड़ती हैं, लेकिन उनके आंतरिक विकास के लिए यही एक राजपथ है।

498ए: महिलाओं के लिए वरदान या परिवार टूटने के लिए दुरुपयोग का माध्यम

लोकप्रिय चैनल बाँवरे छोरे, जो दो भाई मिलकर चलाते हैं और वह दोनों भाई गौमाता की सेवा करते हुए अपने वीडियो अपलोड करते हैं। उनके वीडियो ऐसे होते हैं कि देखकर हंसी आ जाती है। झुमर, नंदू और न जाने कितनी गैयों की शरारतें वह लोग अपलोड करते हैं। वह भारत की उस आत्मा के वीडियो पोस्ट करते हैं, जिनके माध्यम से न जाने कितने लोग वह सपना जीते हैं, जो सपना उनके दिल में ही रह जाता है। चूंकि भारत का एक बड़ा वर्ग अभी भी वही जीवन जीना चाहता है, जिसमें गाय, बछड़े आदि सभी हों, इसलिए लोग उनसे जुड़े हैं।

और हमारे ग्रंथों में भी गौ सेवा को बहुत बड़ी सेवा बताया गया है। उनके वीडियो में उनके घरवाले भी दिखते हैं, जैसे उनकी माँ और पिता। एक बेहद साधारण परिवार, जिसकी सीमा अपनी गाय, बछड़ा और वह सभी हैं। परन्तु दो दिन पहले उनका एक वीडियो ऐसा आया जिसने उनके प्रशंसको को हिलाकर रख दिया। वह वीडियो ऐसा था कि जिस पर कोई विश्वास भी नहीं कर सका। वह वीडियो था उस क़ानून के विषय में जिसके विषय में न्यायालय से भी बार-बार टिप्पणियाँ आती रहती हैं कि वह क़ानून पुरुषों को फंसाने का माध्यम बना जा रहा है।

जिसे लेकर माननीय उच्चतम न्यायालय ने भी वर्ष 2005 में सुशील कुमार बनाम युनियन ऑफ इंडिया मामले में लीगल टेररिज़्म या कानूनी आतंकवाद की संज्ञा दी थी। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने वर्ष 2022 में यह स्पष्ट कहा कि 498ए के मामले में पति के रिश्तेदारों के विरुद्ध स्पष्ट आरोप के बिना केस चलाना कानूनी प्रक्रियाओं का दुरुपयोग है।

इसी 498ए के विरोध में यह दोनों भाई भी जेल गए थे। हालांकि मामला अभी न्यायालय में है तो उसके विषय में कुछ भी कहना उचित नहीं है, परन्तु यह भी सत्य है कि महिलाओं के हितों के लिए यह तमाम क़ानून अब कहीं न कहीं उस मोड़ पर आ गए हैं, जहां पर दूसरी महिलाओं का शोषण उसमें अपने आप हो जाता है। इन युवकों का जब परिवार देखते हैं, तो एक साधारण सा परिवार है, जिसमें एक साधारण महिला इनकी माँ के रूप

झुमर, नंदू और न जाने कितनी गैयों की शरारतें वह लोग अपलोड करते हैं। वह भारत की उस आत्मा के वीडियो पोस्ट करते हैं, जिनके माध्यम से न जाने कितने लोग वह सपना जीते हैं, जो सपना उनके दिल में ही रह जाता है।

में दिखाई देती हैं। कभी झूमर के लिए केक बनाती हैं तो कभी अपने बच्चों का हाथ बंटाती हैं। इन भाइयों ने जब यह वीडियो पोस्ट किया कि वह इस धारा के विरोध में जेल जा रहे हैं और उन्होंने यह बताया कि कैसे उनकी अपनी पत्नियों ने ही उन्हें कैसे प्रताड़ित किया, तो उसे दो-तीन पहले ही सर्वोच्च न्यायालय ने उच्च न्यायालयों एवं डीजीपी को ''गिरफ्तारी के लिए अरनेश मिश्रा दिशानिर्देशों'' का पालन करने की सख्त हिदायत दी थी।

यह बात अब किसी से छिपी नहीं है कि कैसे इन कानूनों का दुरुपयोग महिलाओं द्वारा किया जा रहा है। हमारी पुरुष आयोग की टीम के पास ही लगातार ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जिनमें इन मामलों के सताए पुरुष होते हैं। इन मामलों में केवल पुरुष को ही आरोपी नहीं बनाया जाता है, बल्कि कभी कभी तो विदेशो में बैठी बहनों के खिलाफ भी मुक़दमे दर्ज हो जाया करते हैं।

यह भी सच है कि न जाने कितने लोग इनके चलते आत्महत्या कर लेते हैं, न जाने कितने परिवार तबाह हो जाते हैं। इन लड़कों का वीडियो देखा था, उसमें उन्होंने कहा कि न तो हम आत्महत्या करेंगे और न ही हम अपनी ज़िन्दगी बर्बाद करेंगे।

इन युवाओं की यह इच्छाशक्ति इन्हें मजबूत बनाए हुए है, नहीं तो लोग टूट जाते हैं। और आए दिन आत्महत्या की खबरें आती हैं। पुरुष आयोग ने इन युवाओं से बात की है और हम पूरी तरह से इनके साथ हैं। इस संस्था की अध्यक्ष होने के नाते मैं संकल्प एवं उनके पिताजी से बात कर चुकी हूँ।

परन्तु इन पीड़ाओं के बाद भी इस कानून में परिवर्तन की बात नहीं हो रही है। बार-बार माननीय न्यायालय निर्णय देते हुए कह रहे हैं कि क़ानून पुरुषों के प्रति पक्षपाती हैं, परन्तु इस पक्षपात को सुधारने के कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। हमारे बेटे विवाह करने से डरने लगे हैं, वह लड़कियों से डरने लगे हैं, कि कहीं कोई आकर कोई आरोप न लगा दे। क्योंकि हाल ही में माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने भी यही कहा था कि यौन उत्पीडन के वास्तविक मामले कहीं न कहीं बहुत कम हैं और क़ानून पुरुषों के लिए बहुत पक्षपाती हैं।

और केवल पुरुषों के प्रति पक्षपाती नहीं है बल्कि यह पूरे परिवार पर हमला है। दहेज़ प्रताड़ना से कोई इंकार नहीं कर सकता है, परन्तु दहेज़ प्रताड़ना के नाम पर अब कानूनों के दुरुपयोगों का आलम यह है कि आज तक में एक रिपोर्ट प्रकाशित हुई थी उसके अनुसार नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो(एनसीआरबी) की रिपोर्ट के मुताबिक, 2021 में धारा 498ए के तहत देशभर में 1.36 लाख से ज्यादा मामले दर्ज किए गए थे। जबकि, इससे एक एक साल पहले 2020 में 1.11 लाख मामले दर्ज किए गए थे।

वहीं, अगर धारा 498ए के मामलों में कन्विक्शन रेट देखें तो सिर्फ 100 में से 17 केस ही ऐसे हैं जिनमें दोषी को सजा मिलती है।

मगर फिर भी ऐसे कानूनों, जिनमें कन्विक्शन दर इतनी कम है, की उपयोगिता पर बात नहीं होती? यह तक चर्चा नहीं होती कि कहीं महिलाओं के हितों की बात करते करते, पुरुषों एवं परिवार संस्था के विरुद्ध ही तो हम इतना आगे नहीं आ गए हैं कि जहां पर स्त्री और पुरुष परस्पर प्रतिद्वंदी हो गए हैं और परिवार तबाह!

इनके दुरुपयोग पर बात होनी ही चाहिए, क्योंकि बात हमारे और आपके बेटों की है।

तल्ख तेवर

विपक्ष की ओर से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के दौरान बुधवार को बहस की शुरुआत कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने की। उनके भाषण का इंतजार एक दिन पहले से किया जा रहा था क्योंकि मंगलवार को कांग्रेस की ओर से ट्वीट करके बता दिया गया था कि अविश्वास प्रस्ताव पर विपक्ष की ओर से पहले वक्ता राहुल गांधी होंगे। हालांकि आखिरी पलों में प्लान फिर से बदलते हुए गौरव गोगोई से ही चर्चा की शुरुआत करवाई गई, जिस पर सत्तारूढ़ पक्ष के सदस्यों ने सदन के अंदर सवाल भी उठाया।

लेकिन हर पार्टी को अपनी रणनीति में जब चाहे बदलाव करने का हक है। इसलिए इन आपत्तियों को ज्यादा तवज्जो नहीं दी जा सकती। हां, यह सवाल जरूर किया जा सकता है कि राहुल गंधी ने अपने भाषण में जिस तरह की आक्रामकता दिखाई और जितने तीखे शब्दों का प्रयोग किया क्या सचमुच उसकी जरूरत थी। इसमें दो राय नहीं कि पिछले तीन महीने से भी ज्यादा समय से मणिपुर के हालात बहुत खराब हैं। वहां हुई घटनाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण हैं। लेकिन क्या मणिपुर भारत का अंग नहीं रहा? क्या राज्य अभी भी एक इकाई बना हुआ नहीं है? क्या सत्तारूढ़ पक्ष को

देशद्रोही बताने से हालात सुधारने में कोई मदद मिलने वाली है?

विपक्ष को अपनी बात कहने का पूरा हक है, लेकिन राज्य पहले से ही खतरनाक और संवेदनशील दौर से गुजर रहा है। ऐसे में हालात को और बढ़ा-चढ़ाकर पेश करना क्या ठीक माना जाएगा। बहरहाल, राहुल गांधी के भाषण पर कइयों की नजरें टिकी थीं और उन्होंने अपने इस बेहद तीखे, आक्रामक भाषण से सरकार पर विपक्षी हमलों का टोन सेट कर दिया।

यह बात पहले से ही कही जा रही थी कि विपक्ष की ओर से अविश्वास प्रस्ताव लाने का एकमात्र मकसद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सदन में मणिपुर पर बयान देने के लिए मजबूर करना है।

राहुल गांधी ने अपने भाषण को लगभग पूरी तरह मणिपुर पर केंद्रित रखकर यह साबित किया कि विपक्ष सरकार के लिए चर्चा इधर-उधर ले जाने की गुंजाइश नहीं छोड़ना चाहता। राहुल गांधी ने आइडिया ऑफ इंडिया के उस मुद्दे को भी इसी में जोड़ दिया, जो मोदी सरकार पर उनका मुख्य आरोप रहा है कि यह सरकार आइडिया ऑफ इंडिया पर हमले कर रही है, कि भारत की विविधताओं को अक्षुण्ण रखने में उसकी कोई दिलचस्पी नहीं है।

राहुल गांधी के ठीक बाद बोलने खड़ी हुई केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कश्मीर और अन्य प्रांतों की हिंसा का मसला उठाया, लेकिन उससे संदेश यह जा सकता है कि सरकार के पास मणिपुर पर कहने के लिए कुछ खास नहीं है। राहुल गांधी के कथित फ्लाइंग किस को अभद्रता करार देने की कोशिश भी अच्छी रणनीति नहीं कहलाएगी। उम्मीद की जानी चाहिए कि बाद के वक्ता (सत्ता पक्ष के) मणिपुर और अन्य मसलों पर लगाए गए विपक्ष के आरोपों का ज्यादा कारगर, सटीक और ठोस जवाब देंगे।

हजारों हथियार लुटे, अब क्या होगा मणिपुर में

पिछले हफ्ते मणिपुर के हिंसाग्रस्त इलाके बिष्णुपुर में 45 गाड़ियों पर सवार लगभग 500 लोगों ने इंडिया रिजर्व बटालियन-2(आईआरबी-2) के मुख्यालय पर धावा बोल दिया। नारानसीना स्थित मुख्यालय को अपने कब्जे में लेकर इन लोगों ने शस्त्रागार से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और अन्य युद्ध सामग्री लूट ली।

लुटी आर्मरी

आईआरबी के क्वार्टर मास्टर ओ प्रेमानंद सिंह ने मामले की एफआईआर जिले के मोइरांग पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है। इस शिकायत में पूरा सिलसिला कुछ यूं बताया गया है-

-हमलावरों ने सुबह पौने दस बजे के आसपास मुख्य द्वार पर संतरी और क्वॉर्टर गार्ड को अपने कब्जे में ले लिया और अंदर जाकर आईआरबी आर्मरी के दो दरवाजे तोड़ डाले।

-हमलावरों ने आर्मरी से एक एके सीरीज असॉल्ट राइफल, 25 इंसास राइफल, 4 घातक राइफल, 5 इंसास एलएमजी, 5 एमपी-5 राइफल, 124 हैंड ग्रेनेड, 21 एसएमसी कार्बाइन, 195 एसएलआर, 38 पिस्तौल (9 एमएम), 134 डेटोनेटर, 23 जीएफ राइफल, 81 बम(51 एमएम एचई) के साथ 19 हजार

कारतूस लूट लिए।

दावा है कि भीड़ को नियंत्रित करने के लिए 320 राउंड गोला-बारूद और 20 आंसू गैस के गोले दागे गए, मगर आश्चर्य है कि न तो इससे कोई घायल हुआ, न पकड़ा गया।

लगातार लूट

मणिपुर में जबसे उपद्रव शुरू हुआ है, तभी से सुरक्षा बलों के हथियार तो लूटे ही गए, इंफाल शहर में हथियारों की कई दुकानें भी लूटी गई हैं।

-यह सरकारी आंकड़ा है कि तीन अगस्त से पहले पूरे मणिपुर में 37 जगह पर हथियारों की लूट हुई।

-पुलिस का कहना है कि 10 जगह से कुकी समुदाय ने हथियार लूटे और 27 जगह से मैतेई ने।

-पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मणिपुर पुलिस ट्रेनिंग कॉलेज से 446 हथियार लूटे गए। 7 मणिपुर राइफल से 1598 हथियार लूटे गए। 8 आईआरबी से 463 हथियार लूटे गए।

-लूटे गए हथियार में एलएमजी, एमएमजी, असॉल्ट, इंसास एके, एमपी-5, स्निपर, पिस्टल और कार्बाइन शामिल हैं। कुल लूटे गए कारतूसों की संख्या 6 लाख है।

-राज्य में पहले ही एक लाख गन लाइसेंस हैं। कई प्रतिबंधित संगठन भी हथियार रखते हैं, जिनका विधिवत समझौता केंद्र सरकार के साथ है।

-ऐसे में अब राज्य में हथियारों की कुल संख्या कितनी हो चुकी है, ठीक-ठीक किसी को नहीं पता।

वहीं सुरक्षा बलों को लेकर भी अंतर्विरोध देखने को मिल रहे हैं। कुकी नहीं चाहते कि उनके इलाके में राज्य की पुलिस आए, तो मैतैई असम राइफल्स का विरोध कर रहे हैं। जिस दिन आर्मरी लुटी, उसी के अगले दिन चार अगस्त को बिष्णुपुर में ही दोनों सुरक्षा बल आपस में भिड़ गए।

बढ़ती मुसीबत

बीते दो सालों में म्यांमार से आए कुकी-चिन जनजाति के तकरीबन एक लाख शरणार्थियों ने मिजोरम में डेरा डाल रखा है। इनमें से कई वहां के सुरक्षा बलों और दमकल सेवा में थे और कई सशस्त्र सरकार विरोधी संगठनों में। मणिपुर की लपटें केवल इस राज्य की सीमा तक नहीं हैं, क्योंकि पूर्वोत्तर राज्य सभी एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। अब वहां दोनों समुदायों के लोग यूनाइटेड नैशनल लिबरेशन फ्रंट(यूएनएलएफ), पीपल्स लिबरेशन आर्मी(पीएलए), कांगलेई यावोल कन्ना लुप(केवाईकेएल) और पीपल्स रिवॉल्यूशनरी पार्टी ऑफ कांगलेईपाक(पीआरईपीएके) जैसे प्रतिबंधित संगठनों को समर्थन और बढ़ावा दे रहे हैं।

चले मुहिम

कई आतंकवादी और संगठित अपराधियों के गिरोह भी मणिपुर और मिजोरम के ऐसे लोगों के संपर्क में हैं, जिनसे वे हथियार खरीद सकते हैं। मणिपुर में अफीम की खेती और उस पैसे का दुरुपयोग भी सर्वविदित है। ऐसे में सरकार को यहां शांति प्रयास युद्धस्तर पर चलाने होंगे। इसका रास्ता तभी आसान होगा, जब सुरक्षा बलों से लूटे और सीमापार से अवैध रूप से आए हथियारों को जब्त करने की व्यापक मुहिम चले। भारत के किसी भी हिस्से में इतनी बड़ी संख्या में बेशकीमती हथियार सुरक्षा बलों से बाहर किसी के पास नहीं हैं। समझना होगा कि इतने हथियार काफी हैं, और अधिक हथियार लूटने के लिए।

दैनिक पंचांग

18 अगस्त 2023 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	सिंह	05.38 बजे से
चंद्र	सिंह में	कन्या	07.50 बजे से
मंगल	सिंह में	तुला	10.01 बजे से
बुध	सिंह में	वृश्चिक	12.15 ब.से
गुरु	मेष में	धनु	14.31 बजे से
शुक्र	कर्क में	मकर	16.36 बजे से
शनि	कुंभ में	कुंभ	18.23 बजे से
राहु	मेष में	मीन	19.56 बजे से
केतु	तुला में	मेष	21.26 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		वृष	23.06 बजे से
		मिथुन	01.04 बजे से
		कर्क	03.18 बजे से

शुक्रवार 2023 वर्ष का 230 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2080 **शक संवत्** 1945
मास श्रावण **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वितीया 20.02 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाफाल्गुनी 22.57 बजे को समाप्त। **योग** शिव 20.27 बजे को समाप्त। **करण** बालव 06.50 बजे तदनन्तर कौलव 20.02 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 01.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 13° 15'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871709
जूलियन दिन 2460174.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2549
हिजरी सन् 1445
महीना सफर
तारीख 01
विशेष मलयालम नव वर्ष।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चर	05.55 से	07.23 बजे तक	रोग	05.38 से	07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51 बजे तक	काल	07.11 से	08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15 बजे तक
काल	10.19 से	11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19 बजे तक
रोग	01.15 से	02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10 बजे तक	चर	02.51 से	04.23 बजे तक
चर	04.10 से	05.38 बजे तक	रोग	04.23 से	05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

आपका राशिफल 18 अगस्त

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। सुख-आनंद कारक समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। कार्यक्षेत्र में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। धार्मिक यात्रा का योग है। शुभांक-5-7-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अतः धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-4-6-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। शुभ कार्यों का तत्काल फल मिलेगा। शुभांक-5-7-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-7-8-9

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। माता-पिता के स्वास्थ्य की चिन्ता रहेगी। शुभांक-5-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रख। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-6

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। राजकीय कार्यों से लाभ। शुभांक-3-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-7-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण

मेकअप किट को भी चाहिए देखभाल

आज के जमाने की सुपर वूमन घर के साथ ऑफिस भी बखूबी संभाल रही हैं। किसी फेमिली फंक्शन से लेकर ऑफिस की मीटिंग में भी वह प्रेजेंटेबल बनी रहना चाहती हैं। तो ऐसे में क्या जरूरी नहीं कि वे अपने ब्यूटी किट की थोड़ी देखरेख करें, उसे अपडेट रखने के साथ ही कॉस्मेटिक्स के रख-रखाव का भी ध्यान रखें।

महिलाएँ अक्सर महँगे कॉस्मेटिक्स खरीद तो लेती हैं, लोकिन सही देखभाल के अभाव में वे जल्दी खराब होने लगते हैं। और इसका सीधा असर हमारी त्वचा पर पड़ता है। यह बात ज्यादा मँहगे कॉस्मेटिक्स पर तो खासतौर से लागू होती है। दरअसल मँहगे कॉस्मेटिक्स में ज्यादा प्रिजरवेटिब्ज का इस्तेमाल नहीं किया जाता है ऐसे में कॉस्मेटिक्स को अगर सही ढंग से न रखा जाए तो ये जल्दी खराब हो जाते हैं।

जिस तरह त्वचा को विशेष देखभाल की जरूरत होती है। जरा-सी हवा लग जाए तो यह रूखी हो जाती है। इसी तरह कॉस्मेटिक्स भी नमीयुक्त हवा लगने पर एवं अत्यधिक गर्मी के कारण खराब हो सकते हैं। अत: आप कॉस्मेटिक्स को कभी भी अत्यधिक नमी या अत्यधिक गर्मी वाली जगह पर नहीं रखें । कॉस्मेटिक्स को रखते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि वे एक-दूसरे के सातमिले नहीं। उन्हें हमेशा मेकआप ड्रॉर या मेकअप बैग में अच्छी तरह से पैक करके रखें। यदि इन्हें ड्रेसिंग टेबल में रख सकें तो और बेहतर होगा।

कॉस्मेटिक्स रखने के लिए छोटे प्लास्टिक के ड्रॉर्स का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। यदि आप पहले ड्रॉर्स में आई शैडो रखते हैं तो दूसरे में लिप ग्लॉस और लिपिस्टिक रखें। तीसरे में ब्लशर, कंसीलर और ब्राउंजर रखे जा सकते हैं। चौथे ड्रॉर में मेकअप सिमूवर, वेट वाइट्स को रखा जा सकता है।

कई बार महिलाएँ कॉस्मेंटिक्स को बाथरूम में रख देती हैं, जबकि कॉस्मेंटिक्स बाथरूम में कभी नहीं रखे जाने चाहिए। असल में बाथरूम में नमी होने के कारण पावडर वाले कॉस्मेंटिक्स में रासायनिक परिवर्तन होने लगते हैं। जिससे कॉस्मेंटिक्स खराब हो जाते हैं। लिपस्टिक, कंसीलर और आई पेंसिल भी आर्द्रता वाली जगह पर खराब हो जाते हैं। ऐसे वातावरण में क्रीम भी अपने आधारभूत तत्वों से अलग हो जाती है इसलिए नमी वाली जगह पर इन्हें न रखें।

सौंदर्य विशेषज्ञों के अनुसार मेकअप का सामान रखने के लिए रोफ्रिजरेटर एक बढिया स्थान होता है। खासतौर पर लिपिस्टिक, क्रीम, कंसीलर, आई पेंसिल और ब्लशर रेफ्रिजरेटर में रख सकते हैं। ये चीजें फ्रीज में रखने से आप इन्हें लंबे समय तक इस्तेमाल कर सकेंगी, लेकिन यह भी ध्यान रखें कि कॉस्मेंटिक्स फ्रिजर बॉक्स में रखने के लिए नहीं है। नेल पॉलिश, कॉटन बॉल्स, फेस मास्क पैक के लिए ड्रेसिंग टेबल ही उपयुक्त है।

यात्रा के दौरान हैंड बैग के अलावा एक अतिरिक्त मेकअप बैग भी साथ में रखें। ब्रश को बैग में रखने से पहले उसे टिश्यु पेपर से कवर कर लें। स्पंज को हर बार इस्तेमाल के बाद धोएँ। रात के समय जब स्पंज से मेकअप करें तो उसे भी अच्छी तरह से धोकर रखें। बस इन उपायों को अपनाकर आप अपने कॉस्मेटिक्स की उम्र बढा सकती हैं और परेशानी से भी बच सकती हैं।

लहसुनी नान

सामग्री- डेढ़ कप मैदा, स्वादानुसार नमक, 1/2 टी स्पून शकर, 1/2 टी स्पून यीस्ट, 3-4 कली लहसुन (बारीक कटी), मक्खन आवश्यकतानुसार।

विधि- 1/2 कप गुनगुने पानी में चीनी एवं यीस्ट मिलाकर 15 मिनट के लिए रख दें। मैदे में नमक मिलाकर छानें। फिर इसमें यीस्ट का घोल मिलाकर गूँध लें। गूँधे आटे को गीले कपड़े से ढँककर रखें। 2 घंटे बाद इसकी लोइयाँ बनाकर नान की तरह बेलें।

इस पर कटा लहसुन बुरककर बेलन से हल्का दबाएँ। अब इन्हें चिकनाई लगी बैकिंग ट्रे में रखें एवं गर्म ओवन में बेक कर लें। तैयार नान पर मक्खन चुपड़ कर गर्मा-गर्म सर्व करें।

बोलिए, बतियाइए ताकि बनी रहे घर की अर्थव्यवस्था!

घर का बजट भी देश के बजट से कहीं कमतर नहीं होता। इस पर एक पूरे परिवार का भविष्य निर्भर करता है। ऐसे बहुत कम घर होते हैं जहाँ खर्च और बचत के मामले में पति-पत्नी की सोच या आदतें एक समान हों। ज्यादातर मामलों में यह अलग ही होती है। ऐसे में घरेलू, निजी खर्चों तथा बचत के साथ ही घरेलू बजट पर भी खुलकर बात करना जरूरी है। दुराव-छिपाव इस मामले में भी दुःखदाई बन सकता है।

विनीता का जन्म एक अमीर परिवार में हुआ था। डिजाइनर बैग्स, कपड़ों और शूज पर मनमर्जी खर्च करना तो उनके जीवन का स्वभाविक हिस्सा बन गया था। लेकिन अक्सर यह आवश्यक नहीं होता कि हाथ खुला रखने का जो वातावरण आप अपने मायके में पाती हैं, वही सुसराल में भी मिले। विनीता के साथ भी कुछ ऐसा ही हुआ।

विवाह के बाद विनीता अजय के घर पहुँची तो उन्हें अपनी बहुत सी आदतों को बदलने में कठिनाई हुई जिनमें से एक खुले दिल से खर्च करना भी थी। अजय सूरी पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं। वह हर काम बजट से करते हैं। अपने खर्चों को इस प्रकार प्लान करते हैं कि बुरे वक्त के लिए कुछ पैसा बचा रहे। विवाह के शुरूआती दिनों में तो खर्च-बचत का टकराव कुछ विशेष अर्थ नहीं रख रहा था, लेकिन जैसे-जैसे जिम्मेदारियाँ बढ़ती गईं तो बहुत सी दबी बातें भी समस्या बनकर उभरने लगीं। विनीता बताती है- 'मैं भी पैसा बचाना चाहती हूँ, लेकिन मैंने अपने पूरे जीवन में कभी बजट नहीं बनाया है। शादी के बाद अब मुझे भी ऐसा ही करना पड़ रहा है पर कभी-कभी ऐसा भी समय आता है जब मैं अपनी ड्रेस या जूतों की असल कीमत अजय को नहीं बताती हूँ। असल कीमत बताने पर वह गुस्से में भड़क सकता है। उससे असलियत छुपाकर मुझे अपराधबोध होता है। लेकिन क्या करूँ कभी-कभी दिल खोलकर खर्च करने को भी मन करता है।'

इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि विनीता बहुत खतरनाक खेल, खेल रही है। वह जो अपने पति से आर्थिक बेवफाई कर रही है उससे उनके संबंध प्रभावित हो सकते हैं और वह टूटने के कगार तक भी पहुँच सकते हैं। ऐसा मनोवैज्ञानिकों का मानना है। इन दोनों के बीच जो समस्या है या स्थिति है वह आसानी से सुलझ सकती है अगर दोनों पार्टनर्स आपस में कम्युनिकेट करें।

बहरहाल यह असामान्य बात नहीं है कि आर्थिक मुद्दों को लेकर दोनों पार्टनरों के अलग-अलग दृष्टिकोण हों। दोनों की पैसा प्रबंधशैली और वरीयताएँ भी भिन्ना-भिन्ना हो सकती हैं। लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि दोनों में कम्युनिकेशन बना रहे और वित्तीय स्थिति ऐसी दिशा में चले जो संबंधों को प्रभावित न कर सके। इसलिए दोनों को चाहिए कि आर्थिक मामलों पर खुलकर विचार-विमर्श करें और बीच का मार्ग निकालने का प्रयास करें ताकि दोनों सुखी से रह सकें। आर्थिक बेवफार्फ से आत्मीयता में कभी आ जाती है और संबंध में विश्वास का अभाव दिखने लगता है। आत्मीयता और विश्वास ही विवाह या संबंध का आधार होते हैं। इसलिए बेहतर तरीका यह है कि इस समस्या पर शांति से एक-दूसरे से बात की जाए और आरोप लगाने की बजाय समाधान का प्रयास किया जाए।

परिपक्व वार्तालाप

जब एक बार आप दोनों परिपक्व वार्तालाप पर सहमत हो जाँए तो यह सवाल किया जा सकता है कि खर्चो के बारे में झूठ बोलने की या छुपाने की आवश्यकता क्यों पड़ती है? इस प्रश्न के जरिए ही समस्या की जड़ तक पहुँचा जा सकता है। कभी-कभी ऐसा भी होता है कि साथी महसूस करता है कि उसे एक दायारे में सीमित रखा जा रहा है और वह डरता है कि कहीं जो उसकी चाहत है, उसे मना न कर दिया जाए। कभी-कभी फिजूलखर्ची की बस आदत महसूस कर सकता है कि उसकी जरूरतों को दूसरा समझ ही नहीं पाएगा। इन सब स्थितियों को बातचीत से हल किया जा सकता है।

मासिक खर्च पर विचार करें

अपने साथी के साथ तसल्ली से बैठें और मासिक खर्च पर विचार-विमर्श करें और संयुक्त खाता खोलें। यह सुनिश्चित करें कि आप दोनों ही कुछ बचत करें और व्यक्तिगत खर्चो के लिए कुछ पैसा अपने व्यक्तिगत खातों में भी रखें।

कम्युनिकेट करें

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इस सब जानकारी को शेयर और कम्युनिकेट किया जाए। दोनों में से किसी को भी यह महसूस न हो कि उसे अँधेर में रखा जा रहा है और वह कम और दूसरा ज्यादा खर्च कर रहा है। अगर दोनों में से कोई किसी चीज पर मोटा खर्च करना चाहता है तो यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि उससे मासिक खर्च पर प्रभाव न पड़े। ऐसी स्थिति में पहले से ही योजना बना लेना लाभकारी होता है।

मूत्र मार्ग संक्रमण

मूत्र मार्ग संक्रमण जीवाणु जन्य संक्रमण है जिसमें मूत्र मार्ग का कोई भी भाग प्रभावित हो सकता है। हालाँकि मूत्र में तरह-तरह के द्रव एवं वर्ज्य पदार्थ होते है किंतु इसमें जीवाणु नहीं होते। यूटीआई से ग्रसित होने पर मूत्र में जीवाणु भी मौजूद होते हैं। जब मूत्राशय या गुर्दे में जीवाणु प्रवेश कर जाते हैं और बढ़ने लगते हैं तो यह स्थिति आती है।

मूत्र मार्ग 6 प्रमुख अंगों - दो गुर्दे, दो मूत्रवाहिनियों, मूत्राशय और यूरेथ्रा से मिलकर बना होता है। गुर्दे रक्त को साफकरके उसमें मौजूद अनुपयोगी या विषैले तत्वों को हटाकर मूत्र के ज़रिए शरीर से बाहर निकालने का काम करता है। सबसे पहले गुर्दा रक्त की सफाई करता है और सफाई के बाद जो गंदा तरल पदार्थ निकलता है वह मूत्रवाहिनी के रास्ते मूत्राशय में जमा हो जाता है। जब मूत्राशय पूरी तरह भर जाता है तब यूरेथ्रा पर दबाव पड़ता है, इसी वजह से मूत्र त्याग करने की जरूरत महसूस होती है। मूत्र के सामान्य प्रवाह में किसी भी प्रकार की रुकावट संक्रमण के लिए जिम्मेदार होती है जैसे गुर्दे की पथरी, बढ़ी हुई प्रोस्टेट या मूत्र मार्ग में किसी भी प्रकार का संरचनात्मक विकार। पुरुषों के मुकाबले महिलाओं में संक्रमण का खतरा ज्यादा होता है क्योंकि उनका मूत्रमार्ग छोटा होता है और योनि के पास होने से जीवाणु आसानी से मूत्रमार्ग में प्रवेश कर जाते है। गर्भावस्था में भी मूत्रमार्ग के संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है जिसका सीधा असर बच्चे पर पड़ता है। इस कारण से बच्चा समय से पहले और कम वजन का हो सकता है।

प्रमुख लक्षण

- मूत्रमार्ग में जलन। गुप्तांग में खुजली।
- बार-बार पेशाब त्यागना।
- पेशाब करते वक्त दर्द होना।
- मूत्र में से दुर्गंध आना।
- कभी-कभी मूत्र के साथ रक्त का आना।
- कंपकपी के साथ बुखार आना।
- भूख न लगना।
- कमजोरी और थकान महसूस होना।
- बच्चे का कद और वजन न बढ़ना।

निदान

इस संक्रमण का पता करने के लिए कई प्रकार के परीक्षण हैं, इनमें सबसे ज़्यादा महत्वपूर्ण है मूत्र का विश्लेषण करना। जाँच के लिए मूत्र का नमूना भेजा जाता है। उसमें अगर बैक्टीरिया और श्वेत रक्त कोशिकाओं की मौजूदगी से मरीज के संक्रमण से ग्रसित होने का पता लगता है। इसके अलावा भी कई जाँचें कराई जा सकती हैं जैसे टोटल ब्लड काउंट, इंट्रावीनस पायलोग्राम (आईवीपी), सीटी स्कैन और ब्लड कल्चर।

उपचार

मूत्र मार्ग संक्रमण का उपचार इस बात पर निर्भर करता है कि संक्रमण कौन से रोगजनक कीटाणु पैदा कर रहे है और वो कौन-सी दवाइयों के लिए संवेदनशील है। इलाज के लिए मुख्य रुप से एंटीबायोटिक दवाएँ दी जाती हैं।

बचाव

- संक्रमण से बचने के लिए शरीर की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखना चाहिए। टॉयलेट हमेशा साफ-सुथरा रखें।
- खानपान की स्वच्छता का ध्यान रखना भी ज़रुरी है। गंदी जगह पर बनाया गया खाना खाने से भी यह परेशानी हो सकती है।-खाने का संक्रमण खून में मिल जाता है इसलिए उससे भी मूत्र मार्ग में संक्रमण हो सकता है।
- पानी और तरल पदार्थों का सेवन अधिक मात्रा में करना चाहिए।
- हमेशा सूती कपड़े के इनरवेयर ही पहनने चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण बात ये है कि जैसे ही संक्रमण का कोई-भी लक्षण महसूस होने पर तुरंत डॉक्टरी सलाह लें। देर करने से ये संक्रमण बढ़कर ऊपर गुर्दों तक पहुँच कर उन्हें क्षतिग्रस्त कर सकता है।

हेल्थ प्लस

इतना जरूर करें कोलेस्ट्रॉल कम करने के लिए

जो अपनी जीवनशैली में परिवर्तन नहीं कर पा रहे हैं या जिनकी नौकरी ही इस तरह की है कि वे चाहकर भी नियमित कसरतें नहीं कर पाते हैं उन्हें अपने खानपान में थोड़ा परिवर्तन करना चाहिए। उदाहरण के तौर पर मैदे के बने हुए ब्रेड या बन्स के बजाए मल्टी ग्रेन ब्रेड का विकल्प तलाशा जा सकता है।

साबुत अनाज

हाल ही में हुए एक अध्ययन से यह बात सामने आई है कि जिन लोगों के भोजन में साबुत अनाज जैसे अंकुरित धान्य, दलिया वगैरह शामिल है उनकी कोरोटाइड आर्टरी की दीवार पतली रहती है, साथ ही इनमें मोटापन बहुत धीमी गति से आता है। कोरोटाइड आर्टरी जितनी अधिक लचीली होगी दिल और दिमाग के दौरे पड़ने की आशंका उतनी ही कम होगी। कोलेस्ट्रॉल बढ़ा हुआ रहेगा तो कोरोटाइड आर्टरी की दीवार मोटी और सख्त बन जाएगी।

पिस्ता, अखरोट, बादाम

अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी के जर्नल में एक शोध अध्ययन प्रकाशित हुआ है जिसके मुताबिक पिस्ता खाने से खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर घट जाता है। भारी वसा युक्त भोजन के बाद खाए गए अखरोटों से आपके दिल को संभावित खतरों से बचाया जा सकता है। पिस्ता,अखरोट और बादाम में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट्स वसायुक्त भोजन में मौजूद सैचुरेटेड फैट्स से आर्टरीज को होने वाले नुकसान की भरपाई कर सकता है।

अनार का रस...

अनार का रस कोलेस्ट्रॉल के थक्के बनाना कम कर देता है, नाइट्रिक ऑक्साइड का उत्पादन बढ़ा देता है। नाइट्रिक ऑक्साइड से आर्टरीज में जमे थक्के कम होने में मदद मिलती है।

ओट्स...

इसे सामान्य भाषा में जई भी कहते हैं। इसमें बीटा ग्लूकेन नामक रसायन होता है जो खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) को रक्त नलिकाओं से हटा देता है। इसे बनाना बहुत आसान है और प्राय: सभी बड़े स्टोर्स में मिल जाता है।

खाद्य तेल...

किसी भी एक तरह के खाद्य तेल पर निर्भर न रहें। हमेशा उसे बदलते रहें। तिल्ली, मूँगफली, सरसों, खोपरे का तेल, सोयाबीन, बिनौले और राइसब्रान को बारी-बारी से इस्तेमाला कर सकते हैं। खाद्य तेल की मात्रा कम की जा सकती है। उदाहरण के तौर पर यदि सब्जियाँ दो चम्मच तेल में छौंकी जा रही हैं तो उसे घटाकर एक चम्मच पर लाया जा सकता है। नॉन स्टिक कुक वेअर इसमें आपकी मदद कर सकते हैं। ऑलिव ऑइल को भी खाद्य श्रृंखला में शामिल किया जा सकता है। बाजार में ऐसा ऑलिव ऑइल भी उपलब्ध है जिसमें भारतीय भोजन शैली के अनुरूप तला भी जा सकता है।

अलसी का तेल...

इस तेल के उपयोग से उच्च रक्तचाप को नियंत्रित किया जा सकता है। अध्ययनों से से पता चला है कि जिन मध्य आयुवर्ग के पुरूषों ने आठ ग्राम अलसी के बीच नियमित रूप से खाए उनका रक्तचाप कम हुआ।

काला सोयाबीन...

कोलेस्ट्रॉल घटाने के लिए कई तरह के खाद्य पदार्थों को आहार श्रृंखला में शामिल करना चाहिए। केवल कुछ चुनिंदा खाद्य पदार्थों के खाने भर से कोलेस्ट्रॉल के स्तर में कमी नहीं होती। नियमित कसरतों को भी जीवनशैली में शामिल करना होगा। आईटी उद्योगों से जुड़े कई संस्थान अपने परिसर में ही जिम्नेशियम उपलब्ध कराते हैं। कर्मचारी अपनी सुविधानुसार कसरत कर सकते हैं। ऑफिस के कैंटीनों में भी हैल्थ फूड लोकप्रिय होते जा रहे हैं।

साइंस ऑफ फूड एंड एग्रीकल्चर, अमेरिका के जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक काले सोयाबीन का उपयोग करने से मोटापा कम होता है। एलडीएल कोलेस्ट्रॉल, साथ ही टाइप-2 डायबिटीज का जोखिम भी कम हो जाता हैं।

दही है महत्वपूर्ण...

सबसे अंत में और सबसे महत्वपूर्ण खाद्य पदार्थ है दही जो खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में आपकी मदद करता है। दही में मौजूद प्रोबायोटिक्स लैक्टोबैसिलियस एसिडोफिलिस कोलेस्ट्रॉल के स्तर को घटाने में मददगार साबित होता है। खाद्य पदार्थों का सतर्कतापूर्वक चयन करने के साथ नियमित कसरत से कुल कोलेस्ट्रॉल बढने के जोखिम से बचा जा सकता है।

क्या होता है खराबा कोलेस्ट्रॉल...

एलडीएल या खराब कोलेस्ट्रॉल वसा का बह थक्का होता है जो नसों की दीवार पर चिपक जाता है तथा उसे और सख्त बना देता है। थक्के की वजह से रक्त नलिकाओं का आकार सिकुड़ जाता और उचित मात्रा में रक्त का प्रवाह होना चाहिए वह नहीं हो पाता। खराब कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने के लिए औषधियों के साथ उचित आहार एवं नियमित कसरतें भी करना जरूरी है।

महिलाओं में अंडा बनने की असीमित शक्ति

वैज्ञानिकों ने दावा किया है कि महिलाओं के गर्भाशय में असीमित समय तक अंडाणुओं का निर्माण होता रहता है और एक समय ऐसा आएगा जब उनके लिए अधिक उम्र में भी मां बनना संभव हो सकेगा। अमेरिका में मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल की अगुवाई में वैज्ञानिकों के एक दल ने पाया है कि महिलाओं के गर्भाशय में स्टेम सेल होते हैं जिनकी मदद से लैग में अपने आप अंडाणुओं का निर्माण किया जा सकता है। पहले ऐसा माना जाता रहा है कि महिलाओं में जन्म के समय ही तय हो जाता है कि उनके गर्भाशय में कितने अंडाणु होते हैं और ये रजोनिवृत्ति के चरण तक पहुंचते-पहुंचते धीरे-धीरे कम होना शुरू हो जाते हैं। लेकिन मुख्य शोधकर्ता ने कहा है कि नया शोध इस पुरानी मान्यता को ध्वस्त करता है । सबसे पहले इस संबंध में 2004 में चूहों पर शोध किया गया था। नेचर जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया गया है कि वैज्ञानिकों ने उन मानवीय स्टेम सेल की पहचान करने और उन्हें हासिल करने में सफलता हासिल की है जो अंडाणु में परिवर्तित होते हैं क्योंकि इन सभी में एक अनोखा प्रोटीन डीडीएक्सफोर होता है। जब इन्हें लैब में बनाया गया तो ये अपने आप अपरिपक्व अंडाणुओं में तब्दील हो गए। ये कोशिकाएं जीवंत मानवीय गर्भाशय ऊतकों के संपर्क में आने पर परिपक्व हो गईं जिन्हें चूहों में रोपा गया था।